मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 9 अंक 12
शुक्रवार, 17 जुलाई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स देशों का बड़ा कदम, एआई के लिए मिलकर बनाएंगे साझा नियम

नई दिल्ली, 16 जुलाई। मोबाइल, बैंकिंग, अस्पताल, पढ़ाई और सरकारी सेवाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस्तेमाल बढ़ने के साथ ही उसके गलत इस्तेमाल का खतरा भी बढ़ रहा है। इससे बचाव के लिए अब दुनिया एआई के साझा नियम बनाने की कोशिश कर रही है। भारत, चीन, रूस एवं ब्राजील समेत ब्रिक्स के सभी देश मिलकर तय करने का प्रयास कर रहे हैं कि एआई और दूसरी नई तकनीकों के लिए ऐसे कौन से कॉमन नियम बनाए जाएं, जिनका सभी अनुशासित तरीके से पालन कर सकें।

इसी प्रयास के तहत बेंगलुरु में गुरुवार को भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स देशों की बैठक हुई, जिसमें सबने मानकीकरण (स्टैंडर्ड) के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनाई।

यदि यह प्रयास सफल होता है और एआई के लिए साझा नियम बनते हैं तो सबसे ज्यादा फायदा आम लोगों को होगा, क्योंकि लोगों की निजी जानकारी की सुरक्षा होगी। साथ ही एआई से मिलने वाली जानकारी की विश्वसनीयता और नई तकनीकों की गुणवत्ता पर अधिक ध्यान दिया जा सकेगा।

इससे अलग-अलग देशों में अलग-अलग नियम होने से पैदा होने वाली दिक्कतें भी कम होंगी और नई तकनीकों का इस्तेमाल अधिक सुरक्षित बन सकेगा।केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि मानकीकरण पर ब्रिक्स देशों का सहयोग 2022 में शुरू हुआ था और अब जाकर यह समझौता अंतिम रूप तक पहुंचा है। यह ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग का औपचारिक ढांचा तैयार करेगा।

इससे एक-दूसरे के अनुभव साझा करने, तकनीकी मदद बढ़ाने, विशेषज्ञता का आदान-प्रदान करने और क्षमता निर्माण में मदद मिलेगी। भारत चाहता है कि दुनिया के नियम केवल कुछ विकसित देश तय न करें, बल्कि विकासशील देशों की जरूरतों और परिस्थितियों को भी बराबर महत्व मिले।

उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा कि ब्रिक्स देश अगर समान मानकों पर काम करेंगे तो उनके बीच व्यापार और निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा। आने वाले वर्षों में एआई बिजली या इंटरनेट की तरह हर क्षेत्र का हिस्सा बनने वाला है। इसलिए अभी से उसके लिए साझा और भरोसेमंद नियम बनाना जरूरी है। बेंगलुरु में शुरू हुई यह पहल भविष्य में यह तय करने में अहम भूमिका निभा सकती है कि एआई लोगों के लिए कितना सुरक्षित, पारदर्शी और भरोसेमंद रहेगा।

हम बेताब नहीं हैं ममता बनर्जी की बागी नेताओं को खुली चुनौती

कोलकता, 16 जुलाई। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि जो लोग पार्टी छोड़ना चाहते हैं, वे जल्द से जल्द ऐसा कर सकते हैं। साथ ही, उन्होंने कहा कि वह समझ सकती हैं कि भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय बलों का इस्तेमाल करके कई नेताओं पर दबाव बना रही है। उनकी यह प्रतिक्रिया राज्यसभा सदस्य कोएल मल्लिक के इस्तीफे के कुछ घंटों बाद आई है। एक और सांसद इखढ में शामिल हो गई हैं। हालांकि, एक एक्टर के तौर पर मैं उनका सम्मान करती हूं। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए एक वीडियो संदेश में कहा कि जो लोग BJP, ED, CBI और पुलिस के दबाव में पार्टी छोड़ना चाहते हैं, उनसे मेरी गुजारिश है कि वे जल्द से जल्द चले जाएं। मैंने अभी-अभी संविधान पढ़ा है... हम बेताब नहीं हैं। मल्लिक, जिनका असली नाम रुक्मिणी मल्लिक है, ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात के बाद आज ही उच्च सदन से इस्तीफा दे दिया। पश्चिम बंगाल में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में बनर्जी के सत्ता से बाहर होने के बाद, राज्यसभा से इस्तीफा देने वालीं वे पार्टी की चौथी नेता थीं। भारतीयनौसेना जानकारी

हालांकि, मल्लिक ने यह नहीं बताया कि उन्होंने राज्यसभा से इस्तीफा क्यों दिया, लेकिन कयास लगाए जा रहे हैं कि वह बीजेपी में शामिल हो सकती हैं। 44 साल की एक्टर से नेता बनीं मल्लिक ने अपने इस्तीफे के पत्र में कहा, ‍‍॒मैं राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देती हूँ, जिसे कृपया तुरंत प्रभाव से स्वीकार किया जाए।

उन्होंने कहा, राज्यसभा सदस्य के तौर पर मेरे कार्यकाल के दौरान मदद और सहयोग के लिए मैं उप-सभापति और राज्यसभा सचिवालय के सभी अधिकारियों का दिल से आभार व्यक्त करती हूँ। मल्लिक से पहले, सुखेंदु शेखर रॉय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बारिक ने राज्यसभा सदस्य के तौर पर इस्तीफा दिया था और टीएमसी छोड़ दी थी। बाद में, वे बीजेपी में शामिल हो गए और बीजेपी ने उन्हें राज्यसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया। रॉय, देव और बारिक के इस्तीफों ने टीएमसी के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं, क्योंकि पार्टी पहले से ही पश्चिम बंगाल विधानसभा और लोकसभा में बगावत के संकट से जूझ रही है।

परिसीमन विधेयक का कांग्रेस करेगी पुरजोर विरोध, विपक्ष को एकजुट रखेंगे: जयराम रमेश

नई दिल्ली, 16 जुलाई। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने गुरुवार को कहा कि अगर संसद के आगामी मॉनसून सत्र में प्रस्तावित परिसीमन विधेयक को फिर से पेश किया जाता है, तो पार्टी इसका पुरजोर विरोध करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार एक ऐसे उपाय के लिए समर्थन जुटाने की कोशिश कर रही है, जिसे पहले लोकसभा में जरूरी दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल पाया था। कांग्रेस संसदीय रणनीति समूह की बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, रमेश ने कहा कि पार्टी ने उन बिलों पर विस्तार से चर्चा की है जिन्हें सत्र के दौरान पेश किए जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि पार्टी को अभी तक सरकार का आधिकारिक विधायी एजेंडा नहीं मिला है और 19 जुलाई को होने वाली सर्वदलीय बैठक में उन्हें इसकी जानकारी मिलेगी।

कांग्रेस नेता ने कहा कि हमने सुना है कि गृह मंत्री परिसीमन बिल को फिर से लाने की कोशिश कर रहे हैं। 17 अप्रैल को सरकार को इस बिल के लिए दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल पाया था, जो एक बड़ी हार थी। वे उस बिल को वापस लाना चाहते हैं।पार्टी का रुख दोहराते हुए रमेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का रुख हमेशा से साफ रहा हैः हम परिसीमन बिल का पुरजोर विरोध करेंगे और आगे भी ऐसा करते रहेंगे।हम सभी विपक्षी दलों के बीच एकता बनाए रखने की हर संभव कोशिश करेंगे।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विपक्षी दलों में फूट डालकर कानून पास कराने के लिए जरूरी संख्या जुटाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि यह सच है कि 17 अप्रैल से गृह मंत्री ने एक या दो विपक्षी पार्टियों में फूट डलवाई है। यह संविधान का अपमान है। वे चालाकी से दो-तिहाई बहुमत हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

ऐसी चालाक चालों और दूसरी पार्टियों को तोड़कर दो-तिहाई बहुमत हासिल करना संविधान का अपमान है; यह एक दागदार बहुमत होगा। हालांकि, लोकसभा में उनके दो-तिहाई बहुमत हासिल करने की कोई संभावना नहीं है।

जब काशी के पहिए पर चला जगन्नाथ का रथ, आस्था के महासागर में डूब गया पूरा शहर

- **उमस व चिपचिपाती गर्मी भी नहीं रोक सकी श्रद्धा की बयार**
- **रथयात्रा क्षेत्र में उमड़ा जनसैलाब**
- **डमरुओं, शंखध्वनि और जय जगन्नाथ के उद्घोष से गूंजती रही काशी**

सुरेश गांधी

वाराणसी। काशी में बादलों के बीच भारी उमस व चिपचिपाती गर्मी थीं, लेकिन आस्था का ज्वार उससे कहीं अधिक प्रबल था। गुरुवार को भगवान जगन्नाथ की ऐतिहासिक रथयात्रा और तीन दिवसीय मेले के शुभारंभ के साथ रथयात्रा क्षेत्र मानो श्रद्धा के महासागर में परिवर्तित हो गया। रथयात्रा चौराहा, कमच्छा, लक्सा, बेनियाबाग और आसपास की गलियां सुबह से देर रात तक श्रद्धालुओं के सैलाब से अटी रहीं। हर ओर केवल एक ही स्वर सुनाई दे रहा था—जय जगन्नाथ... जगन्नाथ स्वामी नयनपथगामी भवतु मे... काशी की यह रथयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सदियों से जीवित उस सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है, जिसमें लोकजीवन, अध्यात्म और परंपरा एक साथ सांस लेते हैं। जैसे-जैसे भगवान का दिव्य रथ आगे बढ़ता गया, वैसे-वैसे श्रद्धा की लहरें भी पूरे नगर में फैलती चली गईं। घरों की छतों, बालकनियों और गलियों से श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर भगवान का स्वागत किया। अनेक स्थानों पर महिलाओं ने मंगलगीत गाए, युवाओं ने डमरू और ढोल-नगाड़ों की थाप पर भक्ति का उल्लास बिखेरा, जबकि बुजुर्ग प्रभु के दर्शन कर भावविभोर होते रहे।

इससे पहले बुधवार को भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा फूलों से सुसज्जित डोली पर विराजमान होकर अस्सी स्थित मंदिर से मनफेर के लिए निकले थे। अस्सी से रथयात्रा तक का पूरा मार्ग श्रद्धालुओं से पट गया था। 108 डमरुओं की गूंज, शंखध्वनि, शहनाई और ढोल-ताशों के बीच निकली डोली यात्रा ने पूरे शहर को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। पुरी से मंगाए गए 108 पीले ध्वज पूरे मार्ग में लहराते रहे, मानो काशी और पुरी की आध्यात्मिक परंपरा एक सूत्र में बंध गई हो।

भोर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान को विधिविधान से अष्टकोणीय दिव्य रथ पर प्रतिष्ठित किया गया। पीतांबर धारण कर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा ने भक्तों को दर्शन दिए। पहले दिन भगवान को पीले पुष्पों से विशेष श्रृंगार किया गया और पके कोहड़े की सब्जी, पूड़ी तथा हलवे का विशेष भोग अर्पित किया गया। हजारों श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण कर स्वयं को धन्य माना। रथयात्रा चौराहे पर दोपहर बाद ऐसा दृश्य था, मानो पूरी काशी एक साथ उमड़ पड़ी हो। श्रद्धालु रथ की रस्सी छू लेने और उसे खींचने के लिए आतुर दिखाई दिए। मान्यता है कि भगवान के रथ को खींचने से जीवन में सुख-समृद्धि, आरोग्य और पुण्य की प्राप्ति होती है। इसी विश्वास के साथ महिला, पुरुष, युवा और बुजुर्ग सभी श्रद्धा की डोर से बंधे दिखाई दिए। वातावरण में जय जगन्नाथ के जयघोष ने ऐसा आध्यात्मिक दृश्य रचा, जिसने काशी की सनातन परंपरा को फिर जीवंत कर दिया। मेले में पारंपरिक दुकानों पर भी भारी भीड़ रही। लकड़ी के खिलौने, मिट्टी के बर्तन, घरेलू सामान, श्रृंगार सामग्री, झूले और स्थानीय व्यंजनों की दुकानों पर लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। बच्चों के चेहरे पर मेले की चमक थी तो बुजुर्गों की आंखों में वर्षों पुरानी रथयात्राओं की स्मृतियां तैरती दिखीं। यही कारण है कि काशी का रथयात्रा मेला केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का भी सबसे बड़ा उत्सव माना जाता है।

राहुल गांधी का देहरादून दौरा: 'छात्रों की गूंज' के जरिए पेपर लीक और शिक्षा प्रणाली पर वार

देहरादून, 16 जुलाई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का 'छात्रों की गूंज' प्रोग्राम 17 जुलाई को देहरादून के बन्नू स्कूल में होना है, जिसके लिए वहां तैयारियां चल रही हैं। इस प्रोग्राम में छात्रों के शामिल होने की उम्मीद है और राहुल गांधी के दौरे से पहले वहां तैयारियां की जा रही हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को उत्तराखंड सरकार से 2025 उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग भर्ती परीक्षाओं में कथित पेपर लीक मामले पर सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि राज्य का नकल-रोधी कानून बेअसर रहा और ‍॒सिर्फ कागजों पर॒ ही सीमित रहा, जबकि परीक्षा के पेपर बिकते रहे। 'छात्रों की गूंज' नाम के देशव्यापी अभियान के तहत, विपक्ष के नेता 17 जुलाई को देहरादून का दौरा करेंगे और राज्य की राजधानी में युवाओं से बातचीत करेंगे। इस देशव्यापी अभियान का मकसद छात्रों की समस्याओं, जैसे परीक्षा में गड़बड़ी और भारत की शिक्षा व्यवस्था की हालत पर ध्यान दिलाना है। समाचारपत्र

एक्स पर एक पोस्ट में गांधी ने आरोप लगाया कि 'देवभूमि' के नाम से मशहूर उत्तराखंड पेपर लीक का केंद्र बन गया है और उन्होंने इस मुद्दे से निपटने के राज्य सरकार के तरीके पर सवाल उठाए। उन्होंने लिखा, ॒मैं 17 जुलाई को देहरादून आ रहा हूं। लेकिन उत्तराखंड ही क्यों? क्योंकि 'देवभूमि' को पेपर लीक का केंद्र बना दिया गया है।

ट्रंप के 25% टैरिफ से भड़का ब्राजील; लूला सरकार ने अमेरिका को दी खुली चुनौती

नई दिल्ली, 16 जुलाई। अमेरिका द्वारा ब्राजील से आयात होने वाले कुछ उत्पादों पर 25% टैरिफ लगाने के फैसले के बाद दोनों देशों के बीच व्यापारिक तनाव बढ़ गया है। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की सरकार ने इस फैसले को एकतरफा और वैश्विक व्यापार नियमों के खिलाफ बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी है। सरकार ने कहा है कि वह अमेरिका के खिलाफ जवाबी कदम उठाएगी और विश्व व्यापार संगठन में भी इस मामले को ले जाएगी। ब्राजील सरकार ने आधिकारिक बयान में कहा कि अमेरिका ने 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 301 के तहत 25% टैरिफ लगाने का फैसला किया है, लेकिन इसके पीछे कोई उचित आधार नहीं है। सरकार का कहना है कि अमेरिका ने बहुपक्षीय व्यापार नियमों का उल्लंघन किया है।

ब्राजील ने दावा किया कि पिछले 15 वर्षों में अमेरिका को ब्राजील के साथ व्यापार में लगभग 424.5 अरब डॉलर का अधिशेष मिला है। इसके बावजूद अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाना अनुचित और असंतुलित कदम है। सरकार ने यह भी बताया कि 2025 में अमेरिका से आने वाले 76% उत्पाद बिना किसी आयात शुल्क के ब्राजील में प्रवेश कर चुके हैं, जबकि अमेरिकी सामानों पर औसत प्रभावी आयात शुल्क केवल 3.1% रहा। ऐसे में अमेरिका के अनुचित व्यापार व्यवहार के आरोप निराधार हैं। ब्राजील ने अमेरिकी जांच में लगाए गए आरोपों को भी खारिज कर दिया। सरकार ने कहा कि ढक डिजिटल भुगतान प्रणाली, डिजिटल प्लेटफॉर्म के नियम और अमेजन में वनों की कटाई को लेकर लगाए गए ।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

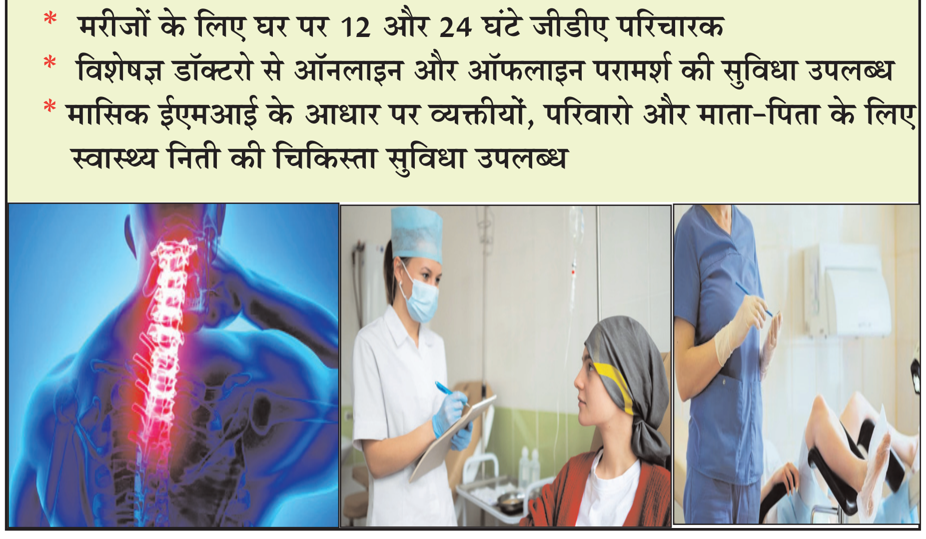

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers,
Opp. Santacruz Railway Station (East),
Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old),
Near Gurukripa Hotel,
Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

मंदिरों में भ्रष्टाचार: वहां सुशासन की नई क्रांति का सूत्रपात हो

-ललित गर्ग

भारत की पहचान केवल उसकी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक चेतना से नहीं है, बल्कि उन मंदिरों से भी है जो करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और जीवन का आधार हैं। अयोध्या का श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ धाम, माता वैष्णोदेवी, तिरुपति, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, सालासर बालाजी, खाटू श्यामजी जैसे मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के जीवंत प्रतीक हैं। इन मंदिरों में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि यहां उन्हें केवल भगवान के दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और नैतिक ऊर्जा भी प्राप्त होगी। लेकिन जब इन्हीं मंदिरों से चढ़ावे की चोरी, वित्तीय अनियमितताओं, वीआईपी संस्कृति, पुजारियों अथवा कर्मचारियों के अनुचित आचरण और श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कोई संस्था बदनाम नहीं होती, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था घायल होती है। हाल के वर्षों में श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ और अब माता वैष्णोदेवी मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मंदिरों की व्यवस्था को केवल धार्मिक भावना के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जिस धन को श्रद्धालु भगवान का अर्पण मानकर समर्पित करते हैं, वह किसी व्यक्ति या समूह की निजी संपत्ति नहीं है। उस धन का प्रत्येक रुपया सार्वजनिक विश्वास की

धरोहर है। यदि उसी में अपारदर्शिता या चोरी का संदेह पैदा हो जाए, तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि धार्मिक विश्वास के साथ विश्वासघात है।

मंदिरों में बढ़ती अव्यवस्था का दूसरा गंभीर पक्ष है-वीआईपी दर्शन संस्कृति। आज देश का सामान्य श्रद्धालु कई-कई घंटे कतार में खड़ा रहता है। वृद्ध, महिलाएं, दिव्यांग और छोटे बच्चों के साथ आए परिवार कठिन परिस्थितियों में अपनी बारी की प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन जैसे ही कोई मंत्री, विधायक, अधिकारी या प्रभावशाली व्यक्ति पहुंचता है, सामान्य दर्शन रोक दिए जाते हैं और वीआईपी दर्शन शुरू हो जाते हैं। आम श्रद्धालु की लाइन रोक दी जाती है, उसके दर्शन का समय बाधित होता है और उसे यह एहसास कराया जाता है कि भगवान के दरबार में भी सभी बराबर नहीं हैं। यह स्थिति भारतीय संस्कृति और धर्म की मूल भावना के विपरीत है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि ईश्वर के समक्ष राजा और रंक में कोई भेद नहीं होता। यदि मंदिरों में भी सामाजिक और राजनीतिक विशेषाधिकार का प्रदर्शन होगा तो यह धर्म के मूल स्वरूप का अपमान है। मंदिरों को लोकतांत्रिक समानता और आध्यात्मिक समरसता का सर्वोच्च उदाहरण बनना चाहिए, न कि सामाजिक असमानता का मंच।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरे देश में समान मन्दिर दर्शन नीति लागू की जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा या अत्यंत विशिष्ट संवैधानिक परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को सामान्य श्रद्धालुओं की कतार से अलग विशेष दर्शन का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। यदि किसी कारणवश सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक हो, तब भी आम श्रद्धालुओं के दर्शन बाधित नहीं होने चाहिए। भगवान के दरबार में सबसे बड़ा वीआईपी केवल श्रद्धा होनी चाहिए, पद और सत्ता नहीं। इसी प्रकार मंदिरों की चढ़ावा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। आज डिजिटल भारत का युग है, फिर भी अनेक मंदिरों में दान और चढ़ावे की पारदर्शी व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी है। प्रत्येक बड़े मंदिर में दान-पात्रों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, सीसीटीवी कैमरे, बारकोड आधारित सीलिंग, नियमित स्वतंत्र ऑडिट तथा प्रत्येक माह आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण वेबसाइट और सूचना पट्ट पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। श्रद्धालु को यह जानने का अधिकार है कि उसके द्वारा दिया गया धन कहां और किस उद्देश्य में उपयोग किया जा रहा है। इसके साथ ही मंदिर प्रशासन में केवल धार्मिक पहचान ही नहीं, बल्कि चरित्र, ईमानदारी और प्रशासनिक दक्षता को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मंदिर प्रबंधन समितियों में ऐसे व्यक्तियों को स्थान मिले जिनकी सामाजिक प्रतिष्ठा निष्कलंक हो, जिनका सार्वजनिक जीवन पारदर्शी रहा हो और जिन पर किसी प्रकार के भ्रष्टाचार या आपराधिक आरोप न हों। समय-समय पर उनके कार्यों का स्वतंत्र मूल्यांकन भी किया जाए। मंदिर प्रबंधन किसी का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व है। मंदिरों में सेवा करने वाले पुजारियों, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों के लिए भी आचार-संहिता बनाई जानी चाहिए। श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार, अभद्र भाषा, दलालों से मिलीभगत, नशाखोरी या किसी भी प्रकार का अनुशासनहीन व्यवहार पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई हो। सालासर बालाजी में बाउंसरों द्वारा श्रद्धालु की पिटाई और खाटू श्यामजी में मुख्य पुजारी से जुड़े विवाद जैसे प्रसंग यह संकेत देते हैं कि केवल धार्मिक पहचान पर्याप्त नहीं, बल्कि नैतिक अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है। मंदिरों में दलाल संस्कृति भी समाप्त की जानी चाहिए। दर्शन, प्रसाद, पूजा और विशेष अनुष्ठानों के नाम पर होने वाली अनधिकृत वसूली श्रद्धालुओं के विश्वास को कमजोर करती है। सभी सेवाओं की दरें सार्वजनिक हों, ऑनलाइन बुकिंग उपलब्ध हो और किसी भी अतिरिक्त वसूली पर कठोर दंड का प्रावधान हो। भारत आज विश्व का आध्यात्मिक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। श्रीराम मंदिर के निर्माण के बाद दुनिया भर से करोड़ों लोग भारतीय मंदिरों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। धार्मिक पर्यटन भारत की अर्थव्यवस्था का भी महत्वपूर्ण आधार बन रहा है। ऐसे समय यदि मंदिरों की व्यवस्थाओं पर भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और अव्यवस्था के आरोप लगते हैं तो केवल मंदिर ही नहीं, बल्कि पूरे भारत की छवि प्रभावित होती है। विश्व यह संदेश ग्रहण करता है कि जिस देश ने धर्म और नैतिकता का संदेश दिया, वह अपने ही धर्मस्थलों को पारदर्शी नहीं बना पाया, वहां भी व्यापक भ्रष्टाचार पसरा है।

भारत सरकार और राज्य सरकारों को अब इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय नीति बनानी चाहिए। छाराष्ट्रीय मंदिर सुशासन आयोगह जैसी स्वतंत्र संस्था का गठन किया जा सकता है, जो बड़े मंदिरों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही, दर्शन व्यवस्था और श्रद्धालुओं के अधिकारों की निगरानी करे। प्रत्येक मंदिर के लिए सेवा-मानक निर्धारित हों तथा शिकायत निवारण की समयबद्ध व्यवस्था हो। धार्मिक संगठनों और संत समाज को भी आत्ममंथन करना होगा। धर्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि सत्य, ईमानदारी, सेवा और उत्तरदायित्व है। यदि मंदिरों के भीतर ही इन मूल्यों का ह्रास होगा तो समाज को नैतिक दिशा कौन देगा? मंदिर केवल पूजा के केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण के विद्यालय भी होने चाहिए।

आज आवश्यकता किसी छोटे-मोटे सुधार की नहीं, बल्कि मंदिर प्रशासन में एक नैतिक क्रांति की है। यह क्रांति पारदर्शिता, जवाबदेही, समानता और सेवा के चार स्तंभों पर आधारित होनी चाहिए। मंदिरों को तकनीक से जोड़ना होगा, वित्तीय व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल और ऑडिट-आधारित बनाना होगा, वीआईपी संस्कृति को समाप्त करना होगा तथा हर श्रद्धालु को समान सम्मान देना होगा। याद रखना होगा कि मंदिरों की सबसे बड़ी संपत्ति उनका स्वर्ण, रजत या चढ़ावा नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों का विश्वास है। यदि विश्वास टूट गया तो सबसे भव्य मंदिर भी अपनी आत्मा खो देगा। इसलिए समय की पुकार है कि मंदिरों को भ्रष्टाचार से मुक्त, दर्शन व्यवस्था को समान, प्रशासन को पारदर्शी और सेवा को मानवीय बनाया जाए। यही भगवान के प्रति सच्ची श्रद्धा होगी, यही भारतीय संस्कृति का वास्तविक सम्मान होगा और यही वह परिवर्तन होगा जो भारत के मंदिरों को केवल आध्यात्मिक महाशक्ति ही नहीं, बल्कि नैतिक महाशक्ति के रूप में भी स्थापित करेगा।

प्रशांत किशोर-'सिर मुंडाते ही ओले पड़े

अशोक भाटिया

प्रशांत किशोर के लिए बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव का मैदान सचमुच 'सिर मुंडाते ही ओले पड़ने' जैसा साबित हो रहा है। 30 जुलाई 2026 को होने जा रहे इस उपचुनाव से उन्होंने अपने जीवन का पहला प्रत्यक्ष चुनाव लड़ने का साहसिक फैसला लिया, लेकिन चुनावी रण में उतरते ही उनकी पार्टी 'जन सुराज' गहरे सांगठनिक संकट और बगावत की शिकार हो गई।जैसे ही प्रशांत किशोर ने पर्दे के पीछे की राजनीति छोड़ खुद चुनावी मैदान में कदम रखा, उनके अभियान को एक के बाद एक कई बड़े झटके लगे हैंः

बिहार की सियासत में 'वैकल्पिक विमर्श' का झंडा बुलंद करने वाली प्रशांत किशोर की 'जन सुराज पार्टी' ही इस समय अपने अस्तित्व के सबसे बड़े सांगठनिक संकट और आंतरिक बगावत से जूझ रही है। वर्ष 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में 236 सीटों पर करारी हार और जमानत जब्त होने के बाद शुरू हुई अंतर्कलह अब एक खुली बगावत का रूप ले चुकी है। चुनावी रणनीतियों को धरातलीय राजनीति में बदलने की सीमाओं और सांगठनिक अपरिपक्वता का यह ज्वलंत उदाहरण है। गौरतलब है कि कुछ समय पूर्व जब प्रशांत किशोर ने बिहार की सड़कों पर 3,500 किलोमीटर से अधिक की लंबी पदयात्रा शुरू की थी, तब उन्होंने एक ऐसे 'वैकल्पिक राजनीतिक मॉडल' का खाका खींचा था जो जाति, धर्म और धनबल की पारंपरिक राजनीति से ऊपर उठकर काम करेगा। उनके पास आधुनिक डेटा, सोशल मीडिया की जबरदस्त पहुंच और एक कॉर्पोरेट स्टाइल की ब्रांडिंग थी। लेकिन राजनीति शास्त्र का यह बुनियादी नियम है कि सोशल मीडिया के लाइक्स और व्यूज कभी भी पोलिंग बूथ के ठोस वोटों में तब्दील नहीं होते।

बताया जाता है कि पार्टी में विद्रोह की मुख्य वजह इसकी सांगठनिक संरचना में ही निहित है। जन सुराज की संरचना बहुत हद तक 'टॉप-डाउन' रही है, जहाँ सारे महत्वपूर्ण फैसले खुद प्रशांत किशोर या उनकी चुनिंदा कोर टीम लेती रही है। जब 2025 के चुनाव नतीजों के बाद प्रशांत किशोर ने पूरी राज्य कार्यकारिणी और सभी सांगठनिक इकाइयों को अचानक भंग कर दिया, तो इसने पार्टी के भीतर एक अविश्वास और असुरक्षा का माहौल पैदा कर दिया। नेताओं को लगा कि उनकी अपनी जमीन और पहचान को दरकिनार कर दिया गया है। जब संगठन को लोकतांत्रिक तरीके से चलाने के बजाय एक प्रबंधकीय संस्थान की तरह चलाया जाने लगा, तो नेताओं का मोहभंग होना स्वाभाविक था। जन सुराज ने खुद को 'साफ-सुथरी राजनीति' का मसीहा घोषित किया था। परंतु जब धरातल पर टिकट वितरण की बारी आई, तो पार्टी पर वही आरोप लगे जो वह पारंपरिक पार्टियों–राजद, जदयू और भाजपा–पर लगाती आई थी। कई निर्वाचन क्षेत्रों में स्थानीय कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर ऐसे रसूखदार उम्मीदवारों को तरजीह दी गई, जिनकी छवि स्वच्छ नहीं थी।पार्टी के भीतर विद्रोह की दूसरी सबसे बड़ी वजह यह रही कि आंतरिक रूप से 'टिकटों की खरीद-बिक्री' और पैसे के लेन-देन के आरोप लगने लगे। समर्पित कार्यकताओं ने महसूस किया कि जिस 'नई राजनीति' के लिए उन्होंने महीनों पदयात्रा की, पसीना बहाया, उसे अंततः चुनावी गणित की वेदी पर बलि चढ़ा दिया गया। इसी अंतर्विरोध ने बगावत की आग में घी का काम किया और पार्टी के कई संस्थापक सदस्य व पूर्व प्रत्याशी पाला बदलने को मजबूर हो गए।

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के दौरान जन सुराज को सबसे तीखा झटका तब लगा जब 2025 के चुनाव में जन सुराज के टिकट पर चुनाव लड़ चुके तीन बड़े चेहरे पार्टी छोड़ गएः पहले प्रो. डॉ. के.सी. सिन्हा जिनकी जो कुम्हरार सीट से पूर्व प्रत्याशी, जिनकी शैक्षणिक और सामाजिक साख मजबूत थी।दूसरे रितेश रंजन सिंह उर्फ बिट्टू सिंह जो दीघा विधानसभा से जन सुराज के मुख्य चेहरा रहे। तीसरे संदीप कुमार सिंह उर्फ गोपाल सिंह जो मनेर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी की जमीन तैयार करने वाले अहम नेता।इन नेताओं का एक साथ भाजपा के प्रदेश कार्यालय में जाकर सदस्यता ग्रहण करना केवल सीटों का नुकसान नहीं है; यह जन सुराज के उस नैतिक आभामंडल को पूरी तरह ध्वस्त कर देता है, जिसमें वे खुद को भाजपा और राजद दोनों के खिलाफ एकमात्र शुद्ध विकल्प बताते थे। यह बगावत साबित करती है कि पार्टी के भीतर का अनुशासन और निष्ठा पूरी तरह से तार-तार हो चुकी है।

ज्ञात हो कि प्रशांत किशोर ने अपनी पार्टी की ताकत बढ़ाने के लिए एक शॉर्टकट अपनाया था। उन्होंने विभिन्न दलों के असंतुष्ट पूर्व विधायकों, सेवानिवृत्त नौकरशाहों और बड़े व्यापारियों को पार्टी की कोर कमेटियों में शामिल किया। राजनीति का यह शाश्वत नियम है कि जो नेता केवल अवसरवादिता और सत्ता की संभावना देखकर किसी नए दल में आते हैं, वे संकट के पहले संकेत पर ही सबसे पहले जहाज छोड़ देते हैं। 2025 की ऐतिहासिक हार के बाद जब जन सुराज का राजनीतिक ग्राफ नीचे गिरा, तो इन आयातित नेताओं ने अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए तुरंत सुरक्षित ठिकानों (जैसे भाजपा) की तलाश शुरू कर दी। जन सुराज अपनी खुद की कैडर-आधारित लीडरशिप तैयार करने में पूरी तरह नाकाम रही।

इस चौतरफा संकट और बगावत के बीच, प्रशांत किशोर हार मानने के मूड में नहीं दिख रहे हैं। वे इस संकट को ही एक नए सियासी अवसर में बदलने की आक्रामक तैयारी कर रहे हैं। पार्टी ने अपनी चुनावी और सांगठनिक रणनीति को पूरी तरह री-डिजाइन करना शुरू कर दिया है।

जन सुराज की सबसे पहली और सबसे बड़ी भावी रणनीति का उदाहरण बांकीपुर उपचुनाव में ही दिख गया है। अब तक केवल पर्दे के पीछे से रणनीति बनाने वाले प्रशांत किशोर ने खुद बांकीपुर सीट से उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरने का फैसला किया है जिसके द्वारा वे जनता को यह संदेश देना चाहते हैं कि वे केवल एक रणनीतिकार या सलाहकार नहीं हैं, बल्कि जमीन पर खुद जिम्मेदारी लेने को तैयार हैं साथ ही प्रशांत किशोर इस चुनाव को सीधे बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और भाजपा की नीतियों पर एक जनमत संग्रह के रूप में पेश कर रहे हैं, ताकि लड़ाई को सीधे दोतरफा बनाया जा सके। उनका दावा है कि बांकीपुर में भाजपा की हार बिहार की राजनीति की दशा और दिशा बदल देगी। 2025 के आम चुनावों में हुई करारी हार से सबक लेते हुए जन सुराज अब अपनी 'कॉर्पोरेट' छवि को बदलने की कोशिश कर रही है।राज्य इकाइयों को भंग करने के बाद, अब ब्लॉक और बूथ स्तर पर नई कमेटियां गठित की जा रही हैं। पार्टी अब केवल हवा-हवाई प्रचार या सोशल मीडिया रील्स के बजाय 'डोर-टू-डोर' (घर-घर) कैडर आधारित संगठन खड़ा करने पर ध्यान दे रही है।पार्टी अब राजनीति को किसी व्यावसायिक प्रोजेक्ट की तरह चलाने के बजाय उसे एक जन-आंदोलन के रूप में स्थापित करने की कोशिश में है, ताकि स्थानीय कार्यकर्ताओं का भरोसा दोबारा जीता जा सके।हाल ही में पारंपरिक दलों से आए नेताओं द्वारा किए गए दलबदल के बाद जन सुराज ने अपनी 'शॉर्टकट' नीति से तौबा करने का मन बनाया है।पार्टी अब स्थापित और अवसरवादी नेताओं पर निर्भर रहने के बजाय युवाओं को सीधे संगठन की कमान सौंपने की रणनीति अपना रही है।आगामी स्थानीय और पंचायती राज चुनावों में पार्टी गैर-राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले और साफ-सुथरी छवि के स्थानीय युवाओं को सीधे मौका देगी ताकि एक वफादार और टिकाऊ नेतृत्व तैयार हो सके।

जन सुराज अपनी वैचारिक अस्पष्टता के आरोपों को धोने के लिए अपने मूल मुद्दों पर अधिक आक्रामक रुख अपना रही है।पार्टी के सामने केवल सांगठनिक बगावत ही एकमात्र चुनौती नहीं है। हाल ही में कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगाकर या चुनाव आयोग में शिकायतें दर्ज कराकर चुनावी हार को जायज ठहराने की जन सुराज की कोशिशों को भी तगड़ा झटका लगा है। न्यायपालिका द्वारा पार्टी की याचिकाओं पर की गई सख्त टिप्पणियों ने इसकी कानूनी रणनीति की सीमाओं को भी उजागर कर दिया है। बिहार की जनता बेहद जागरूक और राजनीतिक रूप से परिपक्व है। वह बड़े-बड़े दावों और जमीनी हकीकत के अंतर को बखूबी समझती है।प्रशांत किशोर की पार्टी में मची यह बगावत केवल एक सांगठनिक उथल-पुथल नहीं है, बल्कि यह आधुनिक भारतीय राजनीति के लिए एक बड़ा सबक है। यह इस बात का सीधा प्रमाण है कि चुनावी रणनीतियों का प्रबंधन करना और एक जीवंत राजनीतिक दल का संचालन करना दो बिल्कुल अलग विधाएं हैं। जन सुराज इस समय अपने अस्तित्व के सबसे बड़े संकट से गुजर रही है।यदि प्रशांत किशोर अपनी इस महत्वाकांक्षी पहल को महज एक 'असफल राजनीतिक प्रयोग' बनने से बचाना चाहते हैं, तो उन्हें अपनी कार्यशैली में आमूलचूल परिवर्तन करना होगाः दरअसल 30 जुलाई को होने जा रहा बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव प्रशांत किशोर के लिए केवल एक सीट का चुनाव नहीं है, बल्कि यह उनके समूचे राजनीतिक करियर की 'अग्निपरीक्षा' है। यदि वे खुद मैदान में उतरकर इस बगावत की आंधी को थामने और भाजपा के इस अभेद्य किले को भेदने में सफल रहते हैं, तो जन सुराज बिहार में एक वास्तविक ताकत बनकर उभरेगी। अन्यथा, बिहार के राजनीतिक इतिहास के पन्नों में जन सुराज भी उन तमाम क्षेत्रीय दलों की तरह दर्ज हो जाएगी जो धूमकेतु की तरह उभरे और अपनी ही आंतरिक कमजोरियों व अति-केंद्रीयकरण के कारण इतिहास के गर्त में विलीन हो गए।

यूपी में कांग्रेस क्यों दिखा रही है अखिलेश को 'आंखें'

उत्तर प्रदेश की राजनीति अपनी जटिलताओं और अप्रत्याशित करवटों के लिए जानी जाती है, और वर्तमान में राज्य में जो सियासी घटनाक्रम घटित हो रहा है, वह उसी परंपरा का एक नया अध्याय है। आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस द्वारा अपने ही गठबंधन सहयोगी, समाजवादी पार्टी (सपा) के खिलाफ खोला गया मोर्चा राजनीतिक गलियारों में चर्चा का केंद्र बन गया है। सतह पर यह एक सामान्य राजनीतिक बयानबाजी लग सकती है, लेकिन इसके पीछे के निहितार्थ काफी गहरे और दूरगामी हैं। कांग्रेस का यह कदम स्पष्ट रूप से दबाव की राजनीति (प्रेशर पॉलिटिक्स) का एक हिस्सा माना जा रहा है, जहाँ पार्टी अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए जोखिम लेने से भी पीछे नहीं हट रही है। लंबे समय से उत्तर प्रदेश में हाशिये पर रही कांग्रेस अब अपनी रणनीतियों में आमूलचूल परिवर्तन करने के संकेत दे रही है। यदि इस स्थिति का बारीकी से विश्लेषण किया जाए, तो यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस अब 'हम तो डूबेंगे ही, तुमको भी ले डूबेंगे' की तर्ज पर आगे बढ़ रही है, जिसका सीधा असर उत्तर प्रदेश के विपक्षी गठबंधन इंडिया की एकजुटता पर पड़ना तय है।

कांग्रेस के कद्दावर नेता और सहारनपुर के सांसद इमरान मसूद द्वारा समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर की गई तीखी टिप्पणी को इस घटनाक्रम का मुख्य बिंदु माना जा रहा है। मसूद के ये तेवर केवल एक व्यक्ति की व्यक्तिगत राय नहीं हो सकते, बल्कि जानकार इसे कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व, विशेषकर गांधी परिवार की मौन स्वीकृति या उनकी सोची-समझी रणनीति का हिस्सा मानते हैं। इमरान मसूद की पृष्ठभूमि को देखें, तो वे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक बड़े मुस्लिम चेहरे रहे हैं और उनका आक्रामक तेवर हमेशा से कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा रहा है। अखिलेश यादव पर उनका यह प्रहार सपा को असहज करने के लिए काफी है, लेकिन इसके पीछे का मास्टरमाइंड कौन है, यह सवाल राजनीतिक विश्लेषकों को कांग्रेस के उच्च स्तर तक ले जाता है। दरअसल, कांग्रेस आलाकमान संभवतः यह महसूस कर रहा है कि पिछले कुछ चुनावों में सपा के साथ गठबंधन के बावजूद कांग्रेस को न केवल अपनी सीटें गंवानी पड़ीं, बल्कि उसका वोट बैंक भी तेजी से सपा की ओर खिसका है। ऐसे में यह हमला उस

-अजय कुमार

रणनीतिक हताशा और पुनरुत्थान की छटपटाहट का मिश्रण है, जिसे गांधी परिवार द्वारा निर्देशित माना जा रहा है।

राजनीतिक पंडितों का यह मानना है कि उत्तर प्रदेश में 'एकला चलो' की नीति अपनाना कांग्रेस के लिए एक बड़ा और जोखिम भरा दांव हो सकता है। यद्यपि कांग्रेस का जनाधार इस समय न्यूनतम स्तर पर है, लेकिन उसके पास खोने के लिए बहुत कम और पाने के लिए बहुत कुछ है। यदि कांग्रेस अकेले लड़ने का निर्णय लेती है, तो वह राज्य में अपनी विचारधारा को पुनः स्थापित करने का प्रयास कर सकती है और भविष्य में एक मजबूत विकल्प के रूप में खुद को तैयार कर सकती है। हालांकि, यह राह इतनी सरल नहीं है। 'एकला चलो' की राजनीति करने का अर्थ है मुस्लिम और दलित वोटों के उस समीकरण को चुनौती देना, जिसे फिलहाल सपा और बसपा अपनी जागीर समझते हैं। यह प्रयोग सफल होगा या विफल, यह तो भविष्य के गर्भ में है, लेकिन यह निश्चित है कि इससे विपक्षी एकता का ढांचा बुरी तरह चरमरा जाएगा। कांग्रेस शायद यह मानकर चल रही है कि यदि वह गठबंधन में रहकर अपनी पहचान खो रही है, तो उससे बेहतर है कि अपनी स्वतंत्र पहचान के साथ इस लड़ाई को लड़ा जाए, भले ही इसका परिणाम तत्काल न मिले।

दबाव की राजनीति के चश्मे से देखें, तो कांग्रेस का यह रुख सपा को आईना दिखाने जैसा है। सपा ने लोकसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस को गठबंधन में तो शामिल किया, लेकिन सीटों के बंटवारे और चुनावी प्रबंधन में उसने कांग्रेस की भूमिका को काफी सीमित रखा। कांग्रेस को यह अहसास हो चुका है कि यदि उसने अभी अपना स्टैंड स्पष्ट नहीं किया और अपनी ताकत का अहसास सपा को नहीं कराया, तो आने वाले विधानसभा चुनावों में भी उसे जूनियर पार्टनर बनकर ही संतोष करना पड़ेगा। इमरान मसूद का हमला इसी असंतोष की अभिव्यक्ति है। यह एक संदेश है कि यदि कांग्रेस की राजनीतिक गरिमा और चुनावी महत्व को नजरअंदाज किया गया, तो गठबंधन के भीतर भी संघर्ष अनिवार्य है। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या अखिलेश यादव इस दबाव को झेलते हुए कांग्रेस के साथ सामंजस्य बिठा पाते हैं, या फिर यह दरार और बढ़ती जाती है।

गौरतलब हो, उत्तर प्रदेश की राजनीति में अल्पसंख्यकों का वोट बैंक हमेशा से निर्णायक रहा है। कांग्रेस और सपा दोनों ही इस वोट बैंक को अपना आधार मानती हैं। कांग्रेस का वर्तमान रुख इस वोट बैंक में अपने पुराने वर्चस्व को पुनः प्राप्त करने की कोशिश का एक हिस्सा प्रतीत होता है। यदि कांग्रेस मुस्लिम मतदाताओं को यह समझाने में सफल रहती है कि सपा केवल सत्ता के लिए उनका उपयोग कर रही है और कांग्रेस उनके दीर्घकालिक हितों के लिए बेहतर है, तो यह समीकरण पूरी तरह बदल सकता है। हालांकि, जमीनी हकीकत यह है कि उत्तर प्रदेश का मुस्लिम मतदाता फिलहाल सपा के साथ अधिक सहज है, क्योंकि उसे भाजपा को हराने की क्षमता सपा में ही दिखती है। ऐसे में कांग्रेस का 'एकला चलो' वाला दांव कहीं उल्टा न पड़ जाए, यह डर भी कांग्रेस के रणनीतिकारों को सता रहा होगा। लब्बोलुआब यह है कि कांग्रेस की यह आक्रामक नीति न केवल उत्तर प्रदेश की राजनीति, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष की एकता के लिए भी एक परीक्षा है। यदि कांग्रेस उत्तर प्रदेश में सपा से अलग होती है या उन पर हमलावर बनी रहती है, तो इंडिया गठबंधन की साख पर प्रश्नचिह्न लगना लाजिमी है। यह स्थिति भाजपा के लिए एक प्रकार से उपहार की तरह हो सकती है, क्योंकि विपक्ष का बंटवारा सीधे तौर पर सत्ताधारी दल को मजबूती प्रदान करता है। कांग्रेस का यह कदम एक जुआ है। एक ऐसा दांव, जिसमें जीत की संभावना कम, लेकिन स्वाभिमान की पुनर्स्थापना की ललक अधिक दिखती है। यह रणनीति बताती है कि कांग्रेस अब अपनी खोई हुई विरासत के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है, चाहे उसके लिए उसे अपने सहयोगी दलों के साथ रिश्तों को ही दांव पर क्यों न लगाना पड़े। आने वाले महीने इस बात के गवाह होंगे कि क्या यह रणनीति कांग्रेस को उत्तर प्रदेश की राजनीति में पुनः मुख्यधारा में लाती है, या फिर यह उसकी राजनीतिक आत्मघाती भूल साबित होती है।

सोशल मीडिया से छिन्न-भिन्न होता बचपन का भोलापन और सामाजिक रिश्ते

संजीव ठाकुर

इंटरनेट और सोशल मीडिया ने हमें बहुत सारी सुविधाएं तो प्रदान की है किंतु बच्चों की मासूमियत और सामाजिक पारिवारिक रिश्तों को छिन्न- भिन्न कर दिया है। वर्तमान समय में तीन वर्ष का मासूम बच्चा भी मोबाइल चलाना जानता है। माता-पिता अपनी व्यस्त दिनचर्या के कारण बच्चों को चुप कराने के लिए मोबाइल थमा देते हैं। धीरे-धीरे यही मोबाइल उसका सबसे प्रिय साथी बन जाता है। वह बाहर खेलने की अपेक्षा स्क्रीन पर कार्टून, वीडियो और गेम में अधिक आनंद लेने लगता है। परिणामस्वरूप उसका मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास प्रभावित होने लगता है। सोशल मीडिया ने बच्चों के सोचने और व्यवहार करने के तरीके को भी बदल दिया है। अब वे वास्तविक जीवन की बजाय आभासी दुनिया में अधिक समय बिताते हैं। वहाँ दिखाई देने वाली चमक-दमक, दिखावा और त्वरित प्रसिद्धि की संस्कृति उनके मन में अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा उत्पन्न करती है। कम उम्र में ही वे लाइक्स, फॉलोअर्स और लोकप्रियता की दौड़ में शामिल हो जाते हैं। बचपन की सहज मुस्कान धीरे-धीरे कृत्रिम अभिव्यक्ति में बदलने लगती है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि बच्चों की शारीरिक गतिविधियाँ लगातार कम होती जा रही हैं। पहले बच्चे घंटों मैदान में दौड़ते थे, जिससे उनका शरीर स्वस्थ और मन प्रसन्न रहता था। बच्चों का साइकिल चलाना छूट गया है आज अधिकांश बच्चे घंटों मोबाइल, टैबलेट या कंप्यूटर के सामने बैठे रहते हैं। इसका परिणाम मोटापा, आँखों की कमजोरी, गर्दन और रीढ़ की समस्याएँ तथा मानसिक तनाव के रूप में सामने आ रहा है। चिकित्सकों का मानना है कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम बच्चों की नींद, स्मरण शक्ति और एकाग्रता पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। केवल बच्चे ही नहीं, बल्कि युवा, अभिभावक और यहाँ तक कि सत्तर वर्ष के बुजुर्ग भी इंटरनेट और सोशल मीडिया के मायाजाल में उलझे दिखाई देते हैं। परिवार एक ही छत के नीचे रहते हुए भी मानसिक रूप से एक-दूसरे से दूर होते जा रहे हैं। पहले भोजन के समय परिवार में बातचीत होती थी, अब अधिकांश लोग मोबाइल स्क्रीन में व्यस्त रहते हैं। रिश्तों की आत्मीयता धीरे-धीरे डिजिटल संदेशों तक सीमित होती जा रही है। भारत की पारंपरिक खेल संस्कृति भी इस बदलाव का शिकार हुई है। गुल्ली-डंडा, लंगड़ी, कबड्डी और खो-खो जैसे खेल केवल खेल नहीं थे, बल्कि सहयोग, अनुशासन, साहस और मित्रता का प्रशिक्षण भी थे। कैरम और शतरंज बच्चों में धैर्य और रणनीतिक सोच विकसित करते थे। आज इनकी जगह ऑनलाइन गेम्स ने ले ली है, जिनमें कई बार हिंसा, आक्रामकता और आभासी प्रतिस्पर्धा अधिक दिखाई देती है। सोशल मीडिया का अनियंत्रित उपयोग बच्चों के नैतिक विकास को भी प्रभावित कर रहा है। इंटरनेट पर उपलब्ध प्रत्येक सामग्री उनकी आयु के अनुरूप नहीं होती। बिना निगरानी के वे ऐसे वीडियो, भाषा और विचारों के संपर्क में आ सकते हैं, जो उनकी मासूम मानसिकता पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। यही कारण है कि विशेषज्ञ बच्चों के लिए अभिभावकीय निगरानी और संतुलित डिजिटल उपयोग पर विशेष बल देते हैं। मानव सभ्यता ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में जितनी तीव्र गति से प्रगति की है, उतनी ही तेजी से जीवन की सहजता और मानवीय संवेदनाएँ भी प्रभावित हुई हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने संसार को एक छोटे से गाँव में बदल दिया है। ज्ञान, शिक्षा, संचार और मनोरंजन के असंख्य साधन आज हमारी उँगलियों पर उपलब्ध हैं। लेकिन हर सुविधा का दूसरा पक्ष भी होता है। इंटरनेट का वही संसार, जिसने मनुष्य के जीवन को सरल बनाया, आज बच्चों के बचपन और उनकी मासूमियत पर सबसे बड़ा संकट बनकर उभर रहा है। एक समय था जब बच्चों की पहचान उनकी खिलखिलाती हँसी, मिट्टी में सने कपड़े, मैदानों की दौड़, पेड़ों पर चढ़ने की जिद और दोस्तों के साथ खेली जाने वाली गुल्ली-डंडा, कबड्डी, खो-खो, क्रिकेट, फुटबॉल और हॉकी से होती थी। घरों के आँगन में कैरम, लूडो और शतरंज की बिसात सजती थी। शाम होते ही गलियाँ बच्चों की चहचहाहट से गूँज उठती थीं। आज वही गलियाँ सूनी हैं और बच्चे मोबाइल की छोटी-सी स्क्रीन में कैद होकर रह गए हैं। विश्वप्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक डॉ. जीन ट्वेंज का कहना है कि स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग ने बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास तथा सामाजिक व्यवहार पर गहरा प्रभाव डाला है। वास्तविक मित्रता की जगह आभासी संबंधों ने ले ली है, जिससे अकेलेपन और अवसाद की प्रवृत्ति बढ़ रही है। जोनाथन हैइट सामाजिक मनोवैज्ञानिक लिखते हैं कि बचपन खेल के मैदानों से हटकर मोबाइल स्क्रीन पर सिमट गया है। यह बदलाव बच्चों के मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। यूनेस्को ने अपनी शिक्षा संबंधी रिपोर्टों में कहा है कि डिजिटल तकनीक शिक्षा के लिए उपयोगी है, किंतु बच्चों के लिए अत्यधिक स्क्रीन टाइम सीखने की क्षमता, एकाग्रता और सामाजिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। इसलिए संतुलित और नियंत्रित उपयोग आवश्यक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का स्पष्ट मत है कि छोटे बच्चों को लंबे समय तक मोबाइल या स्क्रीन के सामने नहीं रखना चाहिए। अधिक स्क्रीन समय बच्चों के शारीरिक विकास, नींद और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है।।भारत के प्रसिद्ध साइबर कानून विशेषज्ञ पवन दुग्गल का कहना है कि इंटरनेट बच्चों के लिए ज्ञान का विशाल भंडार है, लेकिन अभिभावकों की निगरानी के बिना यही इंटरनेट अनेक साइबर खतरों और अनुचित सामग्री का माध्यम भी बन सकता है। डिजिटल अनुशासन समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रसिद्ध मीडिया विश्लेषक प्रो. एवरट डेनिस का मत है कि मीडिया समाज का दर्पण है, किंतु जब मनोरंजन और उपभोग की संस्कृति हावी हो जाती है, तब बच्चों के व्यक्तित्व और सामाजिक मूल्यों पर उसका गहरा प्रभाव पड़ता है।₹

प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ और माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने कई अवसरों पर कहा है कि उन्होंने अपने बच्चों के लिए एक निश्चित आयु तक मोबाइल फोन और स्क्रीन उपयोग पर सीमाएँ निर्धारित की थीं, क्योंकि तकनीक का उपयोग संतुलित होना चाहिए।

स्टीव जॉब्स, एप्पल के सह-संस्थापक, ने भी एक साक्षात्कार में बताया था कि उनके घर में बच्चों के लिए नई तकनीकों के उपयोग पर समय-सीमा और पारिवारिक नियंत्रण रखा जाता था, ताकि वे वास्तविक जीवन के अनुभवों से जुड़े रहें। मीडिया विशेषज्ञों का मानना है कि यदि परिवार, विद्यालय और समाज मिलकर बच्चों के लिए डिजिटल अनुशासन₹ की संस्कृति विकसित करें, तो इंटरनेट ज्ञान का माध्यम बनेगा, न कि बचपन की मासूमियत को निगलने वाला मायाजाल। तकनीक एक उत्कृष्ट सेवक है, लेकिन एक अत्यंत खतरनाक स्वामी। इसलिए आवश्यकता इंटरनेट से दूरी बनाने की नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण और संतुलित उपयोग की है। इन वक्तव्यों को जोड़ने से आपका आलेख अधिक शोधपरक, विश्वसनीय और प्रभावशाली बन जाएगा। इस समस्या का समाधान इंटरनेट का विरोध करना नहीं है। इंटरनेट स्वयं में न तो अच्छा है और न बुरा; उसका उपयोग उसे उपयोग करने वाले के विवेक पर निर्भर करता है। यदि बच्चे सीमित समय तक इंटरनेट का उपयोग शिक्षा, ज्ञान और रचनात्मक कार्यों के लिए करें, तो यह उनके विकास का प्रभावी साधन बन सकता है। लेकिन यदि वही इंटरनेट उनका सम्पूर्ण बचपन निगल ले, तो यह चिंता का विषय है।

अभिभावकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। बच्चों को केवल मोबाइल देकर शांत करने के बजाय उनके साथ समय बिताना होगा। परिवार को प्रतिदिन कुछ समय बिना मोबाइल के साथ बैठना चाहिए। बच्चों को पुस्तकें पढ़ने, चित्रकला, संगीत, बागवानी, योग, खेलकूद और प्रकृति से जुड़ने के अवसर देने होंगे। विद्यालयों को भी खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों और नैतिक शिक्षा को अधिक महत्व देना चाहिए। सरकार, समाज और तकनीकी कंपनियों की भी जिम्मेदारी है कि बच्चों के लिए सुरक्षित डिजिटल वातावरण तैयार करें। आयु के अनुरूप सामग्री, स्क्रीन टाइम नियंत्रण और डिजिटल साक्षरता जैसे प्रयासों को व्यापक स्तर पर लागू किया जाना चाहिए। साथ ही अभिभावकों को भी डिजिटल पालन-पोषण के प्रति जागरूक बनाया जाना आवश्यक है। बचपन जीवन का सबसे सुंदर अध्याय होता है। यदि इस अध्याय से मिट्टी की सोंधी खुशबू, दोस्तों की हँसी, खेल का उत्साह और परिवार का स्नेह छिन गया, तो आने वाली पीढ़ियाँ तकनीकी रूप से सक्षम तो होंगी, पर भावनात्मक रूप से अधूरी रह जाएँगी। हमें यह समझना होगा कि मोबाइल बच्चों के हाथ में एक साधन होना चाहिए, उनका बचपन नहीं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक और जीवन के बीच संतुलन स्थापित करें। बच्चों को इंटरनेट का ज्ञान अवश्य दें, लेकिन उससे पहले उन्हें प्रकृति से प्रेम करना, मित्र बनाना, हार-जीत को स्वीकारना, परिवार के साथ हँसना और खुलकर जीना सिखाएँ।

सेवानिवृत्त सैनिक फूलसिंह सोलंकी ने विद्यार्थियों को पढ़ाया अनुशासन, नेतृत्व और देशभक्ति का पाठ, विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। आरियन्स एकेडमी एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा संचालित टेंडर किड्ज प्री-स्कूल एवं पैराडाइज इंग्लिश स्कूल में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सेवानिवृत्त भारतीय सैनिक फूलसिंह सोलंकी का प्रेरणादायी व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कक्षा पांचवीं से नौवीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित फूलसिंह सोलंकी ने भारतीय सेना में अपने सेवा अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, देशभक्ति, आत्मविश्वास तथा करियर मार्गदर्शन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रेरक जानकारी दी। उन्होंने सेना के जीवन, चुनौतियों और राष्ट्र सेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और देशहित को सर्वोपरि रखने का संदेश दिया।विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि इस प्रकार के प्रेरणादायी कार्यक्रम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, जिम्मेदारी की भावना तथा राष्ट्र सेवा के प्रति सम्मान विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के माध्यम से छात्र-छात्राओं को भारतीय सेना के जीवन, चुनौतियों और देश सेवा के मूल्यों को निकट से जानने का अवसर मिला। इस अवसर पर विद्यालय की संस्थापिका संगीता नागवंशी, नरेश साहू, विजय गुप्ता, अरविंद जैसवार सहित विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

शिक्षकों को SIR कार्य से मुक्त किए जाने की मांग

मुंबई (उत्तरशक्ति)। एक तरफ नई शिक्षा प्रणाली आने के बाद से जहां शिक्षकों पर अध्ययन अध्यापन का बोझ बढ़ता जा रहा है वहीं दूसरी तरफ राज्यभर में चल रहे विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में बड़ी संख्या में कार्यरत शिक्षक-शिक्षिकाओं की ड्यूटी लगाए जाने से विद्यार्थियों का पठन पाठन बाधित हो रहा है। जिसके कारण मुंबई कांग्रेस रोजगार स्वय रोजगार विभाग के महासचिव डॉ सत्तार खान ने राज्य के मुख्यमंत्री से मांग की है कि शिक्षकों को इस कार्य से मुक्त किया जाए तथा उनकी जगह अन्य सरकारी विभागों,बेरोजगार शिक्षित युवाओं को नियुक्त किया जाए। खान ने बताया कि घाटकोपर की एक बीमार शिक्षिका द्वारा चुनावी कार्य के अत्यधिक तनाव के कारण आत्महत्या का प्रयास हाल ही में किया गया। यह बेहद गंभीर और चिंताजनक स्थिति है। खान के अनुसार देश में नई शिक्षा प्रणाली लागू होने के बाद से शिक्षकों पर अध्ययन अध्यापन का बोझ बढ़ता जा रहा है। दूसरी खास बात यह है कि ज्ञान का दीपक जलाने वाला शिक्षक समाज हमेशा ही चुनावी ड्यूटी, जनगणना और अन्य सरकारी कार्य को बड़े ही मेहनत और लगन के साथ करता रहा है। इसके अलावा बड़ी संख्या में शिक्षकों को आज भी बीएलओ की ड्यूटी करनी पड़ रही है। हालांकि खान ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए रक्फ़ अभियान महत्वपूर्ण है और इसमें सभी का सहयोग आवश्यक है, लेकिन वर्तमान में शिक्षकों पर पहले से ही विद्यार्थियों की पढ़ाई समय पर पूरी कराने की बड़ी जिम्मेदारी है ऐसे में उन पर चुनावी कार्य का अतिरिक्त बोझ डालने से न केवल उनकी मानसिक और शारीरिक परेशानियां बढ़ रही हैं, बल्कि विद्यार्थियों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है. खान ने सुझाव दिया कि शिक्षित बेरोजगार युवाओं और अन्य सरकारी विभागों के कर्मचारियों को एसआईआर अभियान में अवसर दिया जाए जिससे कि शिक्षकों पर अतिरिक्त दबाव भी कम होगा।

पालघर डाक विभाग की नई पहल: अब एक फोन कॉल पर पिकअप होगा पार्सल

पालघर(उत्तरशक्ति)। भारतीय डाक विभाग के पालघर डिवीजन ने ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पार्सल पिकअप सेवा शुरू की है। इस नई सुविधा के तहत अब लोगों को पार्सल भेजने के लिए डाकघर जाने की आवश्यकता नहीं होगी। केवल एक फोन कॉल पर डाक विभाग का कर्मचारी ग्राहक के घर, कार्यालय या दुकान से पार्सल संग्रह कर लेगा।

यह सेवा देश के भीतर तथा विदेशों में पार्सल भेजने के लिए उपलब्ध है। विभाग का उद्देश्य ग्राहकों को सुरक्षित, तेज और भरोसेमंद डाक सेवा उपलब्ध कराना है। इसके अलावा पालघर मुख्य डाकघर, मीरा रोड, वसई रोड, विरार, भाईंदर व वाडा डाकघर में नाममात्र शुल्क पर पार्सल पैकेजिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे ग्राहकों को एक ही स्थान पर सभी सेवाएं मिल सकें। सेवा की प्रमुख विशेषताओं में घर से पार्सल पिकअप की सुविधा, देश-विदेश में पार्सल भेजने की सुविधा, सुरक्षित पैकेजिंग, किफायती दरें, तेज और विश्वसनीय सेवा है। डाक विभाग के पालघर अधीक्षक भरत पवार ने बताया कि विभाग समय के साथ आधुनिक सेवाएं शुरू कर रहा है और ग्राहकों की संतुष्टि ही उसकी प्राथमिकता है। उन्होंने पालघर के नागरिकों, व्यापारियों एवं उद्यमियों से इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। पार्सल पिकअप सेवा के लिए मोबाइल नंबर 73910 61885 पर संपर्क किया जा सकता है।

EMEDIX का विस्तार जारी, जूरन छपरा में खुला चौथा Smart Pharmacy स्टोर

मुंबई/मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर शहर के जूरन छपरा क्षेत्र में EMEDIX Smart Pharmacy की नई शाखा का शुभारंभ किया गया। यह मुजफ्फरपुर में EMEDIX का चौथा स्टोर है, जो जिले में कंपनी के लगातार बढ़ते विस्तार और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्री रंजन कुमार (माननीय विधायक, मुजफ्फरपुर विधानसभा क्षेत्र) ने फीता काटकर स्टोर का उद्घाटन किया। फ्रेंचाइजी ओनर श्रीमती अनुपमा सिंह ने कहा कि इस नई शाखा के माध्यम से जूरन छपरा एवं आसपास के लोगों को अब ब्रांडेड और प्रमाणित दवाइयाँ उचित मूल्य पर उपलब्ध होंगी। उन्होंने बताया कि ग्राहकों को पारदर्शी बिलिंग, होम डिलीवरी तथा आधुनिक फामेर्सी सेवाओं का लाभ भी मिलेगा।EMEDIX की ओर से वकार सिद्दीकी (जनरल मैनेजर) एवं अमनदीप भारद्वाज (ऑपरेशंस मैनेजर) उद्घाटन समारोह में उपस्थित रहे। इस अवसर पर GM वकार सिद्दीकी ने कहा कि मुजफ्फरपुर में यह EMEDIX Smart Pharmacy का चौथा स्टोर है, जो शहर में लोगों के बढ़ते विश्वास का प्रतीक है।

लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम पर अध्ययन रिपोर्ट का विमोचन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। देश के प्रत्येक नागरिक को न्याय सुलभ रूप से उपलब्ध हो, न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या में कमी आए तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को गुणवत्तापूर्ण विधिक सहायता सहजता से प्राप्त हो, इस उद्देश्य से 'दर्द से हमदर्द तक ' तथा 'सुप्रा लीगल फाउंडेशन' के संयुक्त तत्वावधान में 'जस्टिस फॉरवर्ड 2026 स्ट्रेंथनिंग लीगल एड, एम्पॉवरिंग फ्यूचर एडवोकेट्स' विषयक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से विधिक सहायता व्यवस्था को अधिक सशक्त बनाने के साथ-साथ नवोदित अधिवक्ताओं में समाजोन्मुख दृष्टिकोण विकसित करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर 'असेसमेंट स्टडी ऑफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम' शीर्षक महत्वपूर्ण अध्ययन रिपोर्ट का विमोचन किया गया। इस रिपोर्ट में लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम की वर्तमान स्थिति, न्यायालयों में लंबित मामलों के कारणों, विधिक सहायता व्यवस्था के समक्ष विद्यमान चुनौतियों तथा उसे अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक उपायों का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने की। मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, भारत के डिप्टी सॉलिसिटर जनरल अधिवक्ता प्रवीण फलदेसाई, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अधिवक्ता अनिल सिंह तथा 'दर्द से हमदर्द तक के संस्थापक

अधिवक्ता प्रकाश सालसिंगीकर उपस्थित थे। कार्यक्रम में विधि क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्तियों, वरिष्ठ अधिवक्ताओं, विधि महाविद्यालयों के विद्यार्थियों तथा नवोदित अधिवक्ताओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। इस अवसर पर केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, 'दर्द से हमदर्द तक' संस्था निःस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों को विधिक सहायता उपलब्ध कराने का अत्यंत सराहनीय कार्य कर रही है। न्याय व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ बनाने में ऐसे प्रयासों का महत्वपूर्ण योगदान है। आज यहां उपस्थित युवा विधि विद्यार्थियों एवं नवोदित अधिवक्ताओं को देशबंधु सीआर दास जैसे महान विधिवेत्ता एवं स्वतंत्रता सेनानी के कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के नेतृत्व में न्याय व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, गतिशील एवं आमजन के लिए सुलभ बनाने हेतु संचालित विभिन्न पहलों की सराहना की। 'दर्द से हमदर्द तक ' संस्था पिछले कई वर्षों से समाज के वंचित एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों तथा विभिन्न कारणों से वर्षों से कारागारों में निरुद्ध बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। संस्था पात्र अधिवक्ताओं के माध्यम से बंदियों को विधिक प्रतिनिधित्व उपलब्ध कराकर उन्हें न्याय दिलाने के लिए निरंतर प्रयाकार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने न्याय व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के लिए शासन, न्यायपालिका, विधि विशेषज्ञों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा युवा अधिवक्ताओं के सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने के लिए विधिक सहायता व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाने की आवश्यकता भी व्यक्त की गई।

भारत रत्न के. कामराज की जयंती मनाई

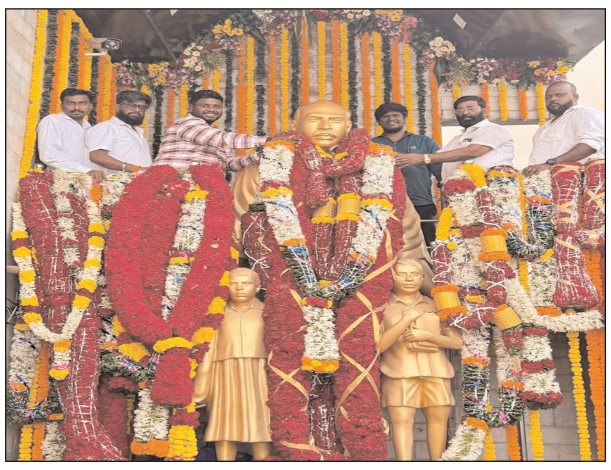

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत रत्न के. कामराज की जयंती गत दिनों धारावी के कामराजर मेमोरियल इंग्लिश हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज में मनाई गई। इस अवसर पर उद्धव ठाकरे शिवसेना के युवा सेना समन्वयक कार्तिक स्वामी ने भारत रत्न के. कामराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विनम्र अभिवादन किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से दक्षिण मारा नाडार संगम अध्यक्ष काशीलिंगम नाडार , सायमन बेथूरू, दिनेश राजशेखर, श्री सेनथिल काशी लिंगम नाडार, रंगेश नाडार सहित अनेक लोग उपस्थित थे। शिक्षण, समाजसेवा और राष्ट्र की प्रगति में भारत रत्न के. कामराज के अमूल्य योगदान को याद किया गया।

पश्चिम महाराष्ट्र सामाजिक संस्था ने किया विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पश्चिम महाराष्ट्र सामाजिक संस्था की ओर से जिला परिषद स्कूल, फुलाचा पाड़ा में विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरित किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत तृप्ती पाटील द्वारा अतिथियों का स्वागत करते हुए की गई। विद्यालय की मुख्याध्यापिका श्रीमती पाटील ने सभी अतिथियों का गुलाब पुष्प देकर स्वागत किया। संस्था के सचिव राजेंद्र थोरात ने संस्था के सामाजिक कार्यों की जानकारी देते हुए कार्यक्रम की भूमिका प्रस्तुत की। इस अवसर पर विद्यार्थियों को कॉपियां, पेंसिल, लेखन सामग्री, रेनकोट तथा अन्य शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। साथ ही बच्चों को खाद्य सामग्री

(खाऊ) भी प्रदान की गई। संस्था के विश्वस्त प्रताप पाटील एवं कुंभार सर ने विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व बताते हुए वितरित सामग्री का सदुपयोग करने, मन लगाकर पढ़ाई करने तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। संस्था के अध्यक्ष नानासाहेब साठे ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों से मेहनत व लगन के साथ अध्ययन कर जीवन में ऊंचे लक्ष्य हासिल करने का आह्वान किया। विद्यालय की मुख्याध्यापिका श्रीमती पाटील ने संस्था द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए सभी पदाधिकारियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इसके साथ ही नानासाहेब साठे, राजेंद्र थोरात, जनार्दन देशमुख व हिंदुराव कोलेकर द्वारा विद्यार्थियों को खाद्य सामग्री वितरित की गई, जबकि विश्वास जगताप ने टूथब्रश एवं टूथपेस्ट का वितरण किया। इस अवसर पर संस्था के विश्वस्त प्रमोद जाधव, विलास अहिरेकर, हंबीरराव शिंदे, चंद्रहार नलावडे, सोमनाथ भोजने, शुभांगी माने सहित संस्था के अनेक पदाधिकारी, विश्वस्त एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की सफलता में संस्था की पूरी कार्यकारिणी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

शिवसेना गटनेता मनोज काटेकर ने कामतघर क्षेत्र में नई पानी की पाइपलाइन का किया शुभारंभ

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। कामतघर क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 21 और 23 के अंतर्गत आने वाले काटेकर नगर, न्यू काटेकर नगर, गजानन संकुल, मैत्री आइकॉन और शिवनगर परिसर में पिछले छह दिनों से बंद पेयजल आपूर्ति की समस्या के समाधान के लिए नई 8 इंच की स्वतंत्र पानी की पाइपलाइन बिछाने के कार्य का शुभारंभ किया गया। बताया गया कि नाले की सफाई के दौरान पुरानी जल पाइपलाइन उखड़ जाने से क्षेत्र के हजारों नागरिकों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा था। समस्या की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय नगरसेवक एवं शिवसेना गटनेता मनोज काटेकर ने पहल करते हुए नई पाइपलाइन के

कार्य को तत्काल शुरू कराया। भूमिपूजन नगरसेविका वंदना काटेकर के हाथों संपन्न हुआ। इस अवसर पर नगरसेवक संदीप भोईर, युवासेना पश्चिम विधानसभा प्रमुख तेजस काटेकर तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।मनोज काटेकर ने बताया कि क्षेत्र की समस्या की जानकारी उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को देने पर उन्होंने तत्काल मनपा आयुक्त अनमोल सागर को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद महापौर नारायण चौधरी और आयुक्त अनमोल सागर के मार्गदर्शन में जलापूर्ति विभाग के कार्यकारी अभियंता संदीप पटनावर तथा कनिष्ठ अभियंता सर्फराज ने आवश्यक पाइप उपलब्ध कराकर कार्य शुरू कराया। इस दौरान मनोज काटेकर ने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक विरोधियों ने जानबूझकर पाइपलाइन को क्षतिग्रस्त कर नागरिकों को परेशान करने का प्रयास किया, लेकिन जनहित के कार्यों में जनता उनके साथ है और जलापूर्ति जल्द ही सुचारु रूप से बहाल कर दी जाएगी।

सुरुचि बीच पर युवती से छेड़छाड़, मारपीट और मोबाइल लूटने वाला आरोपी 6 घंटे में गिरफ्तार

वसई पुलिस की त्वरित कार्रवाई; पीड़िता ने आरोपी के हाथ पर काटकर किया विरोध, 7 हजार का मोबाइल बरामद

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। वसई पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सुरुचि बीच पर सुबह की सैर के दौरान एक युवती से छेड़छाड़, मारपीट कर मोबाइल फोन छीनने वाले आरोपी को महज छह घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, 15 जुलाई 2026 को सुबह करीब 6:15 बजे वसई पुलिस स्टेशन क्षेत्र के सुरुचि बीच पर एक युवती सुबह की सैर कर रही थी। इसी दौरान आरोपी ने उसके साथ छेड़छाड़ की और मारपीट करते हुए उसका मोबाइल फोन जबरन छीन लिया। युवती ने साहस दिखाते हुए आरोपी का विरोध किया और उसके हाथ पर काट लिया। हालांकि, आरोपी मोबाइल फोन लेकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद वसई पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज

किया गया। अपराध की गंभीरता को देखते हुए अपराध जांच शाखा ने तत्काल जांच शुरू की। पुलिस टीम ने तकनीकी एवं गहन जांच के आधार पर आरोपी को हिरासत में लिया।

पूछताछ के दौरान उसकी उंगली पर चोट का निशान पुलिस को संदिग्ध लगा। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना अपराध कबूल कर लिया। वसई पुलिस ने महज छह घंटे के भीतर मामले का पदार्फाश करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से करीब 7,000 रुपये कीमत का मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। नागरिकों से पुलिस की अपील पुलिस ने नागरिकों से सार्वजनिक स्थानों पर सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि या घटना की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की है।

पीपल्स रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रीय नेता प्रो. जोगेंद्र कवाडे से मिले नवनियुक्त भिवंडी जिलाध्यक्ष मारुती जाधव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। पीपल्स रिपब्लिकन पार्टी (पीआरपी) के नवनियुक्त भिवंडी जिलाध्यक्ष मारुती जाधव ने मुंबई के आजाद मैदान स्थित मुंबई प्रदेश मुख्यालय पर राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता प्रो. जोगेंद्र कवाडे से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्रो. कवाडे ने मारुती जाधव को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में भिवंडी जिले में पार्टी संगठन को नई मजबूती मिलेगी। बैठक के दौरान प्रो. जोगेंद्र कवाडे ने पार्टी की विचारधारा, सामाजिक न्याय, संविधान की रक्षा तथा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर विस्तार से अपने विचार रखे। उन्होंने कार्यकताओं से

जनसंपर्क बढ़ाने, युवाओं को पार्टी से जोड़ने और समाज के वंचित एवं शोषित वर्गों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का आह्वान किया। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष मारुती जाधव ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन को मजबूत करने, नए कार्यकताओं को जोड़ने तथा पार्टी की नीतियों और जनहित के मुद्दों को आम जनता तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश सह सचिव एडवोकेट अजय पालके, प्रदेश संगठक आनंद कडाले, ठाणे जिला ग्रामीण अध्यक्ष रहमतुल्लाह अंसारी (मुन्ना भाई), ठाणे जिला उपाध्यक्ष अयूब सैयद, भिवंडी शहर युवाध्यक्ष एकनाथ भोईर, ज्येष्ठ नेता सुभाष जोगडनकर सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने भिवंडी जिले में संगठन विस्तार और आगामी कार्यक्रमों को लेकर सकारात्मक चर्चा की तथा पार्टी को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

वाणगांव के युवा ने विकसित किया ए.आई. प्लेटफॉर्म

पालघर (उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के वाणगांव के युवा इंजीनियर ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए ऐसा अत्याधुनिक प्लेटफॉर्म विकसित करने का दावा किया है, जो किसी भी शोध-आधारित विचार को वास्तविक इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद में बदलने की पूरी प्रक्रिया को एक ही मंच पर संभव बनाता है। यह तकनीक स्थानीय स्तर पर विकसित होने के बावजूद देश के तकनीकी और औद्योगिक क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

चंद्रहास टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड तथा उसकी विशेष उद्देश्य कंपनी (SPV) WeBiii Traume Private Limited द्वारा विकसित इस अक प्लेटफॉर्म में शोध, सर्किट डिजाइन, पीसीबी निर्माण, फर्मवेयर डेवलपमेंट, उत्पाद निर्माण और क्लाउड कनेक्टिविटी जैसे सभी चरणों को एकीकृत किया गया है। कंपनी का दावा है कि इससे विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को उत्पाद विकास में लगने वाला समय, लागत और तकनीकी जटिलताएं काफी हद तक कम होंगी।

कंपनी के संस्थापक शिवम गोसावी ने वर्ष 2016 में अपने साथियों के साथ आईटी सेवा कंपनी की शुरूआत की थी। वेबसाइट और सॉफ्टवेयर सेवाओं तक सीमित रहने के बजाय उन्होंने स्वदेशी तकनीक और शोध-आधारित उत्पाद

विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया। इसके लिए उन्होंने आईटी व्यवसाय से हुई आय और अपनी निजी बचत को अनुसंधान एवं विकास में निवेश किया तथा किसी भी बाहरी निवेश या वित्तीय सहायता का सहारा नहीं लिया। करीब नौ वर्षों के लगातार शोध और हजारों घंटों की मेहनत के बाद तैयार किए गए इस प्लेटफॉर्म में Retrieval Augmented Generation (RAG), Graph Neural Networks (GNN) और तर्क-आधारित सत्यापन प्रणाली जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग किया गया है। इसके साथ ही अक की संभावित त्रुटियों को कम करने के लिए सत्यापित तकनीकी जानकारी का स्वतंत्र नॉलेज बेस भी विकसित किया गया है, जिससे अधिक सटीक, सुरक्षित और विश्वसनीय परिणाम प्राप्त हो सकें। उसी अनुभव और तकनीकी विशेषज्ञता का उपयोग इस नए अक प्लेटफॉर्म के विकास में किया गया है। कंपनी के अनुसार इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर लगभग 1.6 करोड़ रुपये की स्वयं की पूंजी निवेश की गई है। आर्थिक चुनौतियों के दौर में भी शोध कार्य जारी रखने के लिए संस्थापक शिवम गोसावी ने अपनी निजी कार तक बेच दी।

वहीं सह-संस्थापक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी आरती गौतम सावंत ने भी कठिन परिस्थितियों में कंपनी का साथ निभाते हुए परियोजना को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कंपनी भविष्य में इस प्लेटफॉर्म को छात्रों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए बेहद कम शुल्क पर उपलब्ध कराने की योजना बना रही है, ताकि उन्हें भी अनुसंधान, नवाचार और उत्पाद विकास के क्षेत्र में समान अवसर मिल सकें।

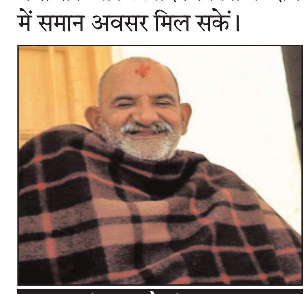

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय:

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

वाराणसी में जीएसटी की डिप्टी कमिश्नर 50 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार, विजिलेंस ने रंगे हाथ दबोचा

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) की वाराणसी इकाई ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए राज्य कर (जीएसटी) सेक्टर-6 की डिप्टी कमिश्नर अंबिका को रु.50,000 की कथित रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक कंपनी की फाइल के निस्तारण और फरवरी 2023 के जीएसटी रिटर्न से जुड़े मामले में डिप्टी कमिश्नर पर रिश्वत मांगने का आरोप था। शिकायत मिलने के बाद विजिलेंस टीम ने जाल बिछाया और चेतगंज स्थित दादा रेस्टोरेंट के पास

आरोपी अधिकारी को रिश्वत की रकम लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया।

गिरफ्तारी के बाद विजिलेंस ने आरोपी अधिकारी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले में पूछताछ के साथ आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, डिप्टी कमिश्नर अंबिका अगले दो से तीन माह में सेवानिवृत्त होने वाली थीं। उनकी गिरफ्तारी से राज्य कर विभाग में हड़कंप मच गया है। विजिलेंस अधिकारियों का कहना है कि भ्रष्टाचार के मामलों में शिकायत मिलने पर त्वरित कार्रवाई जारी रहेगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

तेरहवीं के दो दिन बाद परिवार पर टूटा दूसरा दुख, सलफास खाने से 60 वर्षीय बुजुर्ग की मौत

प्रियेश गुप्ता रुद्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जाफराबाद थाना क्षेत्र के मेहरूपुर गांव में बुधवार रात एक दर्दनाक घटना सामने आई। गांव निवासी महेंद्र प्रताप सिंह (60 वर्ष) की कथित तौर पर सलफास का सेवन करने से मौत हो गई। परिजनों ने उन्हें बुधवार रात करीब 8:55 बजे निजी वाहन से जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, महेंद्र प्रताप सिंह पिछले कुछ समय से पारिवारिक तनाव में थे। ग्रामीणों के बीच यह चर्चा है कि वे अपने बेटे के व्यवहार से परेशान थे। हालांकि, इस संबंध में किसी भी कारण की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और पुलिस जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

बताया जा रहा है कि 14 जुलाई को परिवार में उनके भतीजे की तेरहवीं की रस्म पूरी हुई थी। परिवार अभी उस शोक से उबर भी नहीं पाया था कि महज दो दिन बाद हुई इस घटना ने पूरे परिवार को एक और गहरे सदमे में डाल दिया। लगातार दो दुखद घटनाओं से घर में मातम पसरा हुआ है और पूरे गांव में शोक का माहौल है।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। यदि पोस्टमार्टम कराया जाता है, तो उसकी रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारणों की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

जफराबाद थाने के तीन रिक्रूट बने उपनिरीक्षक, साथियों ने मिठाई खिलाकर दी बधाई

डॉ.इम्तियाज अहमद

जफराबाद, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाने में तैनात तीन रिक्रूट पुलिसकर्मियों ने अपनी मेहनत और

लगन के दम पर बड़ी सफलता हासिल की है। कविता चौधरी, नागेंद्र पांडेय और अजित खरवार का चयन सब इंस्पेक्टर (उपनिरीक्षक) पद पर हुआ है। परिणाम घोषित होने के बाद थाना परिसर में खुशी का माहौल छा गया।

तीनों के चयन की जानकारी मिलते ही थाने के पुलिसकर्मियों ने फूल-माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर उन्हें बधाई दी। इस दौरान थाना परिसर में उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिला।

थानाध्यक्ष मिथिलेश तिवारी ने तीनों नवचयनित उपनिरीक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि तीनों अधिकारी भविष्य में पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे।

इस अवसर पर उपनिरीक्षक मुख्तार राम सहित थाने के अन्य पुलिसकर्मियों ने भी तीनों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

तीन रिक्रूट पुलिसकर्मियों का एक साथ उपनिरीक्षक पद पर चयन जफराबाद थाना परिवार के लिए गर्व की बात है और यह अन्य पुलिसकर्मियों व युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है।

जौनपुर में साइबर ठगी गैंग का भंडाफोड़, 3 गिरफ्तार

ऑनलाइन ठगी से कमाई रकम बैंक खातों में मंगवाकर निकालते थे आरोपी, सरगना की तलाश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद की साइबर क्राइम थाना पुलिस ने ऑनलाइन साइबर ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ?92,000 नकद, 10 फर्जी आधार कार्ड और 2 एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरोह का सरगना दीपेश उर्फ दीपू विश्वकर्मा पुलिस कार्रवाई की भनक लगने के बाद फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है।

92 हजार रुपये नकद, 10 फर्जी आधार कार्ड और 2 मोबाइल बरामद

एसएसपी कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान "Cy-Vajra" के तहत साइबर क्राइम थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि गिरोह के सदस्य जनपद छोड़कर भागने की फिराक में हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 16 जुलाई की सुबह सिटी रेलवे स्टेशन ओवरब्रिज के नीचे घेराबंदी कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुलशन सोनी, सूरज उपाध्याय और अमन सिंह के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे ऑनलाइन साइबर ठगी से प्राप्त रकम को विभिन्न लोगों के बैंक खातों में मंगवाकर एटीएम से निकालते थे। निकाली गई रकम का करीब 80 प्रतिशत हिस्सा सरगना दीपेश को और शेष 20 प्रतिशत खुद व सहयोगियों में बांट लेते थे। गिरोह बैंक खाते खुलवाने के लिए फर्जी आधार कार्ड का भी इस्तेमाल करता था।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव ने लोगों से अपील की कि किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर अपने बैंक खाते, एटीएम कार्ड, ओटीपी, आधार या पैन कार्ड की जानकारी साझा न करें। किसी अन्य के लिए अपने बैंक खाते का इस्तेमाल करना भी साइबर अपराध की श्रेणी में आ सकता है। उन्होंने साइबर ठगी होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 या www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश करने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। फरार सरगना और गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

गेस्ट हाउस में पुलिस की छापेमारी, तीन युवतियों को पूछताछ के लिए थाने भेजा गया

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। एसीपी रोहनिया अवधेश विश्वकर्मा के नेतृत्व में मंडुवाडीह थाना क्षेत्र में स्टेट बैंक के सामने स्थित एक गेस्ट हाउस में

पुलिस ने छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान मौके से तीन युवतियों को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए मंडुवाडीह थाने भेजा गया। पुलिस के अनुसार, मामले की जांच की जा रही है और गेस्ट हाउस में मौजूद अन्य लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि कार्रवाई किस शिकायत या सूचना के आधार पर की गई। जांच पूरी होने के बाद पुलिस की ओर से विस्तृत जानकारी जारी किए जाने की संभावना है।

नोट: आधिकारिक पुष्टि होने तक किसी भी व्यक्ति के खिलाफ अनैतिक गतिविधियों या अन्य आरोपों का उल्लेख करना उचित नहीं है। पुलिस जांच के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी।

प्रेम विवाह के बाद विवाद, महिला ने एसपी से लगाई सुरक्षा और न्याय की गुहार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगरा बादशाहपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली खुशबू बानो ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर न्याय और सुरक्षा की मांग की है। महिला ने बताया कि उसने 20 अगस्त 2025 को धर्म परिवर्तन के बाद मछलीशहर निवासी सनी सोनी से कोर्ट मैरिज की थी।

पीड़िता का आरोप है कि 7 जुलाई 2026 से पति के परिजनों ने उसे घर से बाहर कर दिया है। इसके साथ ही ससुराल पक्ष के कुछ लोगों पर जान से मारने की धमकी देने और उत्पीड़न करने का भी आरोप लगाया है। महिला ने बताया कि मामले को लेकर उसने स्थानीय पुलिस से कई बार शिकायत की, लेकिन राहत नहीं मिली। इसके बाद उसने पुलिस अधीक्षक से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई करने और अपनी सुरक्षा की मांग की है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्रार्थना पत्र मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जौनपुर को रेल कनेक्टिविटी की बड़ी सौगात, 17 जुलाई से चलेगी जालंधर-वाराणसी संत रविदास एक्सप्रेस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर रेलवे ने पूर्वांचल के रेल यात्रियों को बड़ी सौगात दी है। आगामी 17 जुलाई से जालंधर और वाराणसी के बीच संत रविदास एक्सप्रेस का संचालन शुरू किया जाएगा। यह ट्रेन जौनपुर होकर गुजरेगी, जिससे जिले के यात्रियों को पंजाब और वाराणसी के बीच सीधा रेल संपर्क मिल सकेगा। नई ट्रेन सेवा शुरू होने से जौनपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को आवागमन में सुविधा होगी। यात्रियों को अब पंजाब जाने और वाराणसी तक

पहुंचने के लिए बेहतर विकल्प मिलेगा। इससे समय की बचत के साथ यात्रा अधिक आरामदायक होने की उम्मीद है। उत्तर रेलवे की ओर से नई ट्रेनों का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले ट्रेन के समय, ठहराव और रूट की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें। रेल सेवा के विस्तार से क्षेत्र में व्यापार, शिक्षा, रोजगार और धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की संभावना जताई जा रही है। जौनपुर के यात्रियों ने नई ट्रेन सेवा शुरू होने पर खुशी जाहिर की है और इसे जिले के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है।

अवैध संबंधों के शक में ननद ने भाभी की चाकू से गोदकर हत्या, दो दिन बाद थाने पहुंचकर कबूला जुर्म

मेरठ (उत्तरशक्ति)। लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के अहमदनगर में रिश्तों को झकझोर देने वाली वारदात सामने आई है। पति और भाभी के बीच अवैध संबंधों के शक में ननद ने कथित तौर पर अपनी भाभी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। घटना के बाद परिजनों ने मामले को छिपाने के लिए फर्श पर गिरने से मौत होने की कहानी बताई, लेकिन दो दिन बाद आरोपी ननद खुद पुलिस के पास पहुंच गई और हत्या करने की बात स्वीकार कर ली।

रिम्शा, आरोपी ननद — निदा, मृतक

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे शक था कि उसके पति और भाभी के बीच पिछले चार वर्षों से संबंध थे। उसने भाभी को पति से दूर रहने के लिए कहा था, जिस पर दोनों के बीच विवाद हो गया। इसी गुस्से में उसने रसोई से चाकू उठाकर भाभी पर कई वार कर दिए। पुलिस ने आरोपी ननद को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया है। वहीं, मामले के खुलासे के बाद मृतका का पति और ससुराल पक्ष के अन्य लोग फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

तेज रफ्तार वाहन ने मचाई तबाही, चार बाइकों को रौंदने के बाद स्कॉर्पियो से टकराई; दो घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गुरैनी-सुम्बलपुर मोड़ के पास गुरुवार को तेज रफ्तार महिंद्रा एक्सयूवी का कहर देखने को मिला। अनियंत्रित हुई एक्सयूवी ने सड़क किनारे खड़ी चार बाइकों को रौंद दिया और इसके बाद आगे खड़ी एक स्कॉर्पियो से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी तेज थी कि आसपास के लोग मौके पर जुट गए। दुर्घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल मदद करते हुए दोनों घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात व्यवस्था को सामान्य कराया। वहीं एक्सयूवी चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। लापरवाही या तेज रफ्तार के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

साइबर ठगी के शिकार पीड़ित को लौटाए 70 हजार रुपये

◆ मेहनाजपुर पुलिस की बड़ी सफलता

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मेहनाजपुर थाना पुलिस ने सराहनीय कार्य करते हुए साइबर ठगी के शिकार एक पीड़ित के 70 हजार रुपये सुरक्षित वापस कराए हैं।

थाना मेहनाजपुर स्थित साइबर हेल्पडेस्क प्रभारी उपनिरीक्षक दीपक राय को एक नागरिक ने सूचना दी कि उसके बैंक खाते से साइबर ठगों ने बिना जानकारी के 70,000 रुपये निकाल लिए हैं। शिकायत मिलते ही साइबर हेल्पडेस्क ने तत्काल कार्रवाई शुरू की और मामले को एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज कराया। तकनीकी समन्वय और त्वरित प्रयासों के परिणामस्वरूप पूरी 70 हजार रुपये की धनराशि नियमानुसार सुरक्षित रूप से पीड़ित के बैंक खाते में वापस करा दी गई। अपनी राशि वापस मिलने पर पीड़ित ने साइबर हेल्पडेस्क प्रभारी उपनिरीक्षक दीपक राय एवं आजमगढ़ पुलिस का आभार व्यक्त किया।

पुलिस की अपील: आजमगढ़ पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी या संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि का सामना हो, तो बिना देर किए साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें या www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं। साथ ही अपने नजदीकी पुलिस थाने के साइबर हेल्पडेस्क से संपर्क कर समय रहते सहायता प्राप्त करें।

केराकत कोतवाली के हेड कांस्टेबल लल्लन खान बनें सब इंस्पेक्टर

कोतवाली में दौड़ी खुशी की गई लहर, प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार पाण्डेय ने दी बधाई

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मेहनत, अनुशासन और लगन का परिणाम आखिरकार रंग लाया।

केराकत कोतवाली में तैनात हेड कांस्टेबल लल्लन खान ने सब इंस्पेक्टर (उपनिरीक्षक) पद पर सफलता हासिल कर पूरे थाने का गौरव बढ़ाया है।

6 दिन पूर्व घोषित हुए परिणाम में चयन की खबर मिलते ही केराकत कोतवाली में खुशी की लहर दौड़ गई। सफलता की सूचना मिलते ही थाना परिसर में मौजूद पुलिस कर्मियों और अन्य लोगों ने नवचयनित सब इंस्पेक्टर लल्लन खान को फूल माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी! पूरे थाना परिषद में उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिला।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार पाण्डेय ने बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत समर्पण और निरंतर प्रयास का परिणाम है। इस अवसर पर उपनिरीक्षक सहित थाने के अन्य पुलिसकर्मियों ने भी उपनिरीक्षक लल्लन खान को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की सब इंस्पेक्टर पद पर चयन न केवल उनके परिवार के लिए गर्व का विषय है, बल्कि पूरे थाना परिवार के लिए भी प्रेरणादायक उपलब्धि मानी जा रही है।

जय तिवारी बने अध्यक्ष और शशांक शेखर सिंह सचिव

◆ रोटरी क्लब रेणुकूट का 51वां पदग्रहण समारोह सम्पन्न

सुशील कुमार तिवारी

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। रोटरी क्लब रेणुकूट का 51वां पदग्रहण समारोह गुरुवार को हिंडाल्को मल्टीफैसिलिटी सेंटर में भव्य एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह में रो. जय तिवारी ने अध्यक्ष तथा रो. शशांक शेखर सिंह ने सचिव पद की जिम्मेदारी संभाली। नई कार्यकारिणी ने समाजसेवा के कार्यों को और गति देने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रो. पूनम गुलाठी रहीं। विशिष्ट अतिथियों में असिस्टेंट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रो. राजीव रंजन, मेजर डोनर रो. राजीव जयपुरिया, पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रो. सतपाल गुलाठी, रो. डॉ. प्रमोद कुमार सहित हिंडाल्को एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। निवर्तमान अध्यक्ष रो. सुनील कांत पाण्डेय ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि रोटरी क्लब ने दिव्यांगजन सहायता, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण सहित कई क्षेत्रों में सेवा कार्य किए। सचिवीय प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए रो. अजित अस्थाना ने बताया कि क्लब ने ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों तक पहुंचकर जरूरतमंद लोगों के लिए कई जनहितकारी परियोजनाएं संचालित कीं। उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3120 द्वारा क्लब को 23 विशिष्ट पुरस्कारों के साथ 'गोल्ड क्लब' सम्मान प्राप्त हुआ। समारोह के दौरान निवर्तमान अध्यक्ष रो. सुनील कांत पाण्डेय ने रो. जय तिवारी को अध्यक्षीय कॉलर पहनाकर पदभार सौंपा। वहीं रो. अजित अस्थाना ने रो. शशांक शेखर सिंह को सचिव पद की जिम्मेदारी दी। रो. शशि तिवारी ने रो. अजित अस्थाना को कोषाध्यक्ष पद का दायित्व सौंपा।

नवनियुक्त अध्यक्ष रो. जय तिवारी ने कहा कि रोटरी क्लब रेणुकूट सेवा, समर्पण और नवाचार के साथ समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही।

मुख्य अतिथि रो. पूनम गुलाठी ने नई टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रोटरी के समर्पित सदस्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने क्लब के सेवा कार्यों की सराहना की।

इस अवसर पर 13 नए सदस्यों को रोटरी परिवार में शामिल किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने गीत एवं नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का संचालन रो. संजय रूंथला ने किया। समारोह के अंत में सभी अतिथियों एवं सदस्यों ने स्नेहभोज का आनंद लिया।

वक्फ भूमि पर कब्जे के प्रयास का आरोप, जफराबाद के बाबूपुर में शिया समुदाय में आक्रोश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के बाबूपुर में स्थित कथित शाह के पंजे की वक्फ भूमि पर कब्जे के प्रयास का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि जेसीबी मशीन के माध्यम से मस्जिद के बगल स्थित जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की जा रही है।

लोगों का आरोप है कि कुछ भू-माफिया वक्फ संपत्ति पर अवैध कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। घटना को लेकर क्षेत्र के लोगों में नाराजगी है। उन्होंने जिला प्रशासन से मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर जांच कराने और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि इस मामले में उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड की ओर से अभी तक कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है, जिससे लोगों में असंतोष बढ़ रहा है।

बताया जाता है कि शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के अधीन शिया समुदाय से संबंधित कई इमामबाड़े, मस्जिदें और अन्य धार्मिक संपत्तियां आती हैं। इनकी देखरेख के लिए मुतवल्ली की नियुक्ति भी की जाती है।

स्थानीय लोगों ने वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि जिले में कई वक्फ संपत्तियों पर कब्जे की शिकायतें सामने आती रही हैं। उन्होंने प्रशासन और वक्फ बोर्ड से ऐसी संपत्तियों की जांच कर अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

वहीं, नियमों के अनुसार वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा, रिकॉर्ड का रखरखाव और अवैध कब्जों के मामलों में कानूनी कार्रवाई की जिम्मेदारी संबंधित वक्फ बोर्ड और प्रशासन की होती है। शिकायत मिलने पर जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जा सकती है।

घर के बार सो रहे लोगों पर तेज रफ्तार ट्रक चढ़ा, तीन की मौत-दो गंभीर

मिर्जापुर (उत्तरशक्ति)। अहरौरा थाना क्षेत्र के वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर स्थित कुदारन गांव में बुधवार की मध्यरात्रि के बाद दर्दनाक सड़क हादसे में घर के बाहर सो रहे लोगों पर तेज रफ्तार ट्रक चढ़ गया। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रारंभिक जांच में ट्रक का टायर फटना हादसे का संभावित कारण माना जा रहा है। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा है। जानकारी के अनुसार, कुदारन गांव निवासी राजा राजभर (42) गर्मी के कारण अपने घर के बाहर परिवार के अन्य सदस्यों के साथ सड़क किनारे सो रहे थे। रात करीब तीन बजे वाराणसी से सोनभद्र की ओर जा रहा ट्रक अचानक अनियंत्रित हो गया। बताया जा रहा है कि ट्रक का आगे का टायर फटने से चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। ट्रक सड़क किनारे सो रहे लोगों को रौंदते हुए मकान की दीवार से जा टकराया। हादसे में राजा राजभर (42), उनकी मां सुखिया देवी (75) तथा चंद्रतारा देवी (55), पत्नी सीताराम राजभर, की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं सुहानी राजभर (14) और सुनील शर्मा (37) गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही अहरौरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस ने दोनों घायलों को रेस्क्यू कर उपचार के लिए चुनार के चचेरी मोड़ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने दोनों को बेहतर इलाज के लिए वाराणसी स्थित ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस ने तीनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है और पूरे गांव में शोक का माहौल है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में ट्रक का टायर फटना हादसे की वजह माना जा रहा है, हालांकि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। ट्रक को कब्जे में लेकर चालक के संबंध में भी कार्रवाई की जा रही है।

आक्रोशित ग्रामीणों ने किया बवाल

वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर कुदारन गांव के पास ट्रक की चपेट में आकर तीन लोगों की मौत के बाद गुरुवार सुबह माहौल तनावपूर्ण हो गया। सुबह करीब आठ बजे मृतकों के परिजन और ग्रामीण घटनास्थल पर एकत्र हुए और वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग जाम कर दिया। इस दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच कहासुनी होने लगी। आरोप है कि इसी दौरान एक पुलिसकर्मी ने एक ग्रामीण के साथ दुर्व्यवहार कर दिया, जिससे लोग आक्रोशित हो उठे। आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। स्थिति बिगड़ते देख मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल और पीएसी को बुलाया गया। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज किया, जिसके बाद लोग इधर-उधर भागने लगे। आसपास के लोग अपनी जान बचाने के लिए घरों में दुबक गए। करीब एक घंटे तक चले हंगामे के बाद पुलिस ने स्थिति पर नियंत्रण पाया और यातायात बहाल कराया। हंगामे और सड़क जाम के कारण वाराणसी- शक्तिनगर मार्ग पर आवागमन पूरी तरह प्रभावित रहा। पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही रोक दी। वाराणसी से सोनभद्र जाने वाले वाहनों को अदलहाट से इमलियाचट्टी की ओर और सोनभद्र से वाराणसी आने वाले वाहनों को अहरौरा से जमुई होते हुए इमलियाचट्टी की ओर डायवर्ट किया गया।

शाहगंज पुलिस की कार्रवाई: शातिर मोबाइल चोर गिरफ्तार, चोरी के तीन मोबाइल बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शाहगंज थाना पुलिस ने एक शातिर मोबाइल चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी के तीन मोबाइल बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेज दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी शाहगंज गिरेन्द्र सिंह के पर्यवेक्षण में शाहगंज पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार, थाना शाहगंज में दर्ज मुकदमा संख्या 245/2026 धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के मामले की जांच के दौरान सर्विलांस सेल की तकनीकी सहायता से आरोपी की लोकेशन खुटहन रोड स्थित कौड़िया बाजार में मिली। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 16 जुलाई 2026 को सुबह करीब 10 बजे ताज मोहम्मद पुत्र साहब अली निवासी बड़ागांव थाना शाहगंज, हाल पता तिघरा थाना खुटहन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से रेडमी-12, टेक्नो स्पार्क 30C 5G और रेडमी-8 समेत तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) भारतीय न्याय संहिता की बढ़ोतरी की गई है।

घटना का विवरण: पुलिस के मुताबिक, 15 जुलाई को फखरे आलम पुत्र डॉ. फैयाज निवासी पूर्वी कौड़िया ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 11 जुलाई को वह नूरानी मस्जिद के पास नमाज पढ़ने गया था। इस दौरान उसने अपना मोबाइल साइलेंट करके पास में रखा और सो गया। कुछ देर बाद उठने पर मोबाइल गायब मिला।

रेवेन्यू मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले के साथ बैठक में वसई के कोलीवाड़ों को बड़ी राहत

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले की अध्यक्षता में मंत्रालय, मुंबई में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में वसई-नायगांव-विरार क्षेत्र के कोलीवाड़ों से जुड़े लंबे समय से लंबित भूमि संबंधी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने नायगांव, मालोंडे, रणगांव, पाचुबंदर सहित विभिन्न कोलीवाड़ों में घरों के सीमांकन, सर्वेक्षण तथा घरों के नीचे की जमीन संबंधित घर मालिकों के नाम हस्तांतरित करने की मांग प्रमुखता से उठाई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि वसई, नायगांव और विरार क्षेत्र के सभी कोलीवाड़ों का शीघ्र सर्वे एवं सीमांकन कराया जाएगा। सीमांकन के आधार पर घरों के नीचे की भूमि संबंधित मकान मालिकों के नाम हस्तांतरित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। बैठक के दौरान पालघर जिला कलेक्टर इंदुरानी जाखड़ ने इस प्रक्रिया में आ रही तकनीकी एवं प्रशासनिक चुनौतियों की जानकारी देते हुए शासन स्तर पर आवश्यक मार्गदर्शन की जरूरत बताई। इस पर राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णयः वसई तालुका में जिन क्षेत्रों को विलेज सेंटर घोषित किए जाने की आवश्यकता है, वहां पालघर जिला प्रशासन तत्काल प्रक्रिया पूरी करेगा। राजस्व विभाग जिला प्रशासन को आवश्यक तकनीकी एवं प्रशासनिक मार्गदर्शन तत्काल उपलब्ध कराएगा।

1 जनवरी 2011 को बेसलाइन को आधार मानते हुए उस समय अस्तित्व में रहे पात्र घरों के नीचे की जमीन संबंधित मकान मालिकों के नाम हस्तांतरित करने की कार्रवाई की जाएगी।

500 वर्गफुट से 1500 वर्गफुट तक के पात्र घरों को इस प्रक्रिया में शामिल करने पर विचार किया जाएगा।

यह पूरी कार्रवाई 'हाउस फॉर ऑल' योजना के प्रावधानों के अंतर्गत की जाएगी।

बैठक में विधायक स्नेहा दुबे पंडित के साथ पालघर जिला कलेक्टर इंदुरानी जाखड़, जिला अधीक्षक भूमि अभिलेख नरेंद्र पाटिल, भाजपा वसई-विरार शहर जिला महासचिव बिजेंद्र कुमार, बोइसर विधानसभा के महेंद्र पाटिल, देवदत्त मेहर, अविनाश चावंडे सहित राजस्व विभाग, भूमि अभिलेख विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि इन निर्णयों से वसई-नायगांव-विरार के कोलीवाड़ों में रहने वाले हजारों परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी तथा वर्षों से लंबित भूमि स्वामित्व संबंधी समस्याओं के समाधान का मार्ग प्रशस्त होगा।

ओबरा नगर पंचायत स्थानांतरण विवाद में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, मधुसूदन जायसवाल की याचिका खारिज

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। प्रयागराज। नगर पंचायत ओबरा से जुड़े स्थानांतरण विवाद मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए मधुसूदन जायसवाल की याचिका को खारिज कर दिया है। न्यायालय ने Writ-A No-9430/2026 पर सुनवाई के बाद याचिका को मेरिट के आधार पर निरस्त कर दिया। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति दिनेश पाठक की एकल पीठ ने की। हाईकोर्ट रिकॉर्ड के अनुसार, इस प्रकरण में पहली सुनवाई 6 जुलाई 2026 को हुई थी, जबकि 13 जुलाई 2026 को अंतिम आदेश जारी करते हुए याचिका का निस्तारण किया गया। याचिकाकर्ता मधुसूदन जायसवाल ने अपने स्थानांतरण आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। याचिका में उत्तर प्रदेश सरकार, प्रमुख सचिव नगर विकास, विशेष सचिव, उप सचिव, जिलाधिकारी सोनभद्र, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत ओबरा और नगर पंचायत अध्यक्ष को पक्षकार बनाया गया था। हाईकोर्ट के केस स्टेटस में मामले की स्थिति Case Disposeऔर निस्तारण की प्रकृति Dismissed on Merits दर्ज है। इसका मतलब है कि न्यायालय ने मामले के तथ्यों और कानूनी पहलुओं पर विचार करने के बाद याचिका को स्वीकार नहीं किया।

हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद नगर पंचायत ओबरा से जुड़े स्थानांतरण विवाद पर न्यायिक प्रक्रिया पूरी हो गई है।

बदलापुर में दो ट्रकों में भिड़न्त, खलासी की मौत,

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर थाना क्षेत्र के उसरा बाजार में स्थित ज्ञानी ढाबा के पास आम लाद कर आ रही ट्रक सिमेंट लदी खड़ी ट्रक से टकरा गई। इस घटना में खलासी की मौके पर मौत हो गई। यह दुर्घटना बुधवार की रात्री लगभग 11 बजे की है,

बताते है कि आम लाद कर वाराणसी जा रही ट्रक तेज गति से थी कि आचानक सामने से एक ट्रक आती हुई दिखाई दी। ट्रक सामने से आ रही ट्रक से बचने के लिए वाराणसी जा रहे ट्रक चालक ने अपनी वाहन को बायें तरफ लेकर गया जिससे सड़क किनारे खड़ी सिमेंट लदी ट्रक में जा टकराया। इस दुर्घटना में खलासी 18 वर्षीय सचिन कुमार पासवान पुत्र राजा पासवान निवासी धर्मागतपुर थाना सूरजपुर जिला रोहतास बिहार की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि इस दुर्घटना में ट्रक चालक बाल बाल बच गया। पुलिस ने खलासी की लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मच्छरों के आतंक से परेशान पिपरी के लोग, फॉगिंग और सफाई व्यवस्था पर उठे सवाल

पिपरी, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत पिपरी क्षेत्र में इन दिनों मच्छरों का बढ़ता प्रकोप लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। शाम ढलते ही गलियों, मोहल्लों और घरों में मच्छरों का हमला बढ़ जाता है, जिससे नगरवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि मच्छरों की बढ़ती संख्या के कारण मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। लोगों का आरोप है कि कई क्षेत्रों में नियमित फॉगिंग नहीं कराई जा रही है और नालियों की सफाई व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं है। इसके अलावा जगह-जगह जलभराव की समस्या भी बनी हुई है, जिससे मच्छरों के पनपने की संभावना बढ़ रही है।

नगरवासियों ने जनस्वास्थ्य को देखते हुए नगर पंचायत और स्वास्थ्य विभाग से तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। लोगों की मांग है कि पूरे नगर क्षेत्र में नियमित फॉगिंग कराई जाए, एंटी-लार्वा दवा का छिड़काव कराया जाए और नालियों की विशेष सफाई अभियान चलाया जाए।

स्थानीय लोगों का कहना है कि मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए समय रहते उपाय करना जरूरी है, ताकि किसी गंभीर स्थिति से बचा जा सके। उन्होंने अधिकारियों से नगर में स्वच्छता और स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने की अपील की है।

अब देखना होगा कि नगर पंचायत और संबंधित विभाग इस समस्या को लेकर कितनी जल्द प्रभावी कार्रवाई करते हैं, ताकि पिपरी के लोगों को मच्छरों के प्रकोप से राहत मिल सके।

महिला की मौत के बाद भूत-प्रेत के विवाद में पोस्टमार्टम, पुलिस ने संभाला मामला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चंदवक थाना क्षेत्र के बाहरी गांव में महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद भूत-प्रेत को लेकर विवाद खड़ा हो गया। मामला बढ़ने पर पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी महेंद्र कुमार की 60 वर्षीय पत्नी आशा देवी बुधवार रात करीब 9 बजे घर के किचन में खाना बना रही थीं। इसी दौरान अचानक गिरने से उनकी मौत हो गई। महिला की मौत के बाद कुछ लोगों ने इसे भूत-प्रेत से जोड़कर देखना शुरू कर दिया, जिसके चलते दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। सूचना मिलने पर चंदवक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ग्रामीणों के अनुसार, आज भी कुछ क्षेत्रों में अंधविश्वास के कारण विवाद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। पुलिस प्रशासन लगातार लोगों को जागरूक करने का प्रयास करता है कि किसी भी घटना को लेकर बिना जांच-पड़ताल के अफवाहों पर विश्वास न करें।

जौनपुर जंक्शन का DRM ने किया औचक निरीक्षण, अव्यवस्थाओं पर जताई नाराजगी; अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

प्रियेश गुप्ता रुद्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (DRM) सुनील कुमार वर्मा ने गुरुवार को जौनपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मानसून को देखते हुए स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था, यात्रियों की सुविधाओं और निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान रेलवे परिसर में गड्ढा मिलने पर डीआरएम ने नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को तत्काल उसे भरवाने के निर्देश दिए। वहीं स्टेशन के शौचालय में टूटी फर्श और टाइल्स देखकर उन्होंने सुधार कार्य शीघ्र पूरा कराने को कहा। उन्होंने एक सप्ताह के भीतर शौचालय की मरम्मत कराने के साथ दो नए एग्जॉस्ट फैन लगाने के निर्देश दिए। डीआरएम ने यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए रेलवे पुलिस बूथ को सीढ़ियों के सामने से हटाकर अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि स्टेशन परिसर में यात्रियों के आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसके बाद डीआरएम ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत निमार्णाधीन नई स्टेशन बिल्डिंग का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद DRM सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि यह नियमित निरीक्षण का हिस्सा है। इसका उद्देश्य मानसून के दौरान रेलवे ट्रैक की सुरक्षा, जलभराव की समस्या और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारियों की समीक्षा करना है। उन्होंने कहा कि जौनपुर जंक्शन के विकास कार्यों को समय सीमा के अंदर पूरा कराया जाएगा, जिससे यात्रियों को आधुनिक सुविधाओं का लाभ मिल सके।

जल संरक्षण को लेकर केराकत नगर पंचायत ने चलाया जागरूकता अभियान, लोगों से पानी बचाने की अपील

जितेन्द्र कन्नौजिया

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जल संरक्षण को लेकर केराकत नगर पंचायत की ओर से नगरवासियों के साथ जागरूकता चर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम में लोगों को जल के महत्व, पानी की बढ़ती समस्या और इसके संरक्षण के उपायों के बारे में जानकारी दी गई। नगर पंचायत के प्रतिनिधियों ने कहा कि जल जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण संसाधन है। यदि समय रहते पानी की बबार्दी नहीं रोकी गई तो भविष्य में गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने लोगों से घरों, दुकानों और सार्वजनिक स्थानों पर पानी का अनावश्यक उपयोग रोकने की अपील की। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने भी जल संरक्षण को लेकर अपने विचार साझा किए और पानी बचाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि जल संरक्षण केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। इस दौरान लोगों को वर्षा जल संचयन, पानी के सदुपयोग और जल स्रोतों को सुरक्षित रखने के प्रति जागरूक किया गया। नगर पंचायत ने जल संरक्षण को जनअभियान बनाने पर जोर दिया।

40 लाख से अधिक लोगों ने देखा भाई-बहन का भावुक वीडियो, नि:शुल्क दे रहा शिक्षा, किताबें और परिवार को रोजगार का सहारा

विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कभी-कभी जिंदगी के साधारण से दिखने वाले पल समाज के लिए प्रेरणा बन जाते हैं। ऐसा ही एक भावुक कर देने वाला दृश्य शाहगंज में देखने को मिला, जहां आठ वर्षीय अहमद अपनी छह वर्षीय बहन मायरा को कंधों पर बैठाकर स्कूल से घर ले जा रहा था। भाई के कंधों पर बहन का भरोसा और मासूम चेहरे पर जिम्मेदारी का यह दृश्य सिविल कोर्ट जौनपुर के अधिवक्ता आसिम खान को इतना भावुक कर गया कि उन्होंने इसे अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर सोशल मीडिया पर साझा कर दिया।

वीडियो पोस्ट होने के महज 24 घंटे के भीतर 40 लाख (4 मिलियन) से अधिक लोगों ने इसे देखा। लाखों लोगों ने भाई-बहन के अटूट प्रेम, संघर्ष और जिम्मेदारी की सराहना करते हुए बच्चों की मदद के लिए आगे आने की इच्छा जताई। आसिम खान ने केवल वीडियो बनाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी नहीं समझी। उन्होंने बच्चों का पता लगाकर शाहगंज कस्बे स्थित उनके घर पहुंचकर परिवार से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने आठ वर्षीय अहमद को उपहार स्वरूप नई साइकिल भेंट की, जिससे अब उसे अपनी बहन को रोज कंधों पर बैठाकर लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी।

इस अवसर पर दोनों बच्चों के साथ केक काटकर खुशियां साझा की गईं। आसिम खान ने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाते हुए समाज के सक्षम लोगों से जरूरतमंद बच्चों की सहायता के लिए आगे आने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया की सबसे बड़ी ताकत केवल किसी वीडियो को वायरल करना नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद की जिंदगी में उम्मीद की नई किरण जगाना है।

जांच-पड़ताल में पता चला कि आठ वर्षीय अहमद और छह वर्षीय मायरा क्षेत्र के नजीराबाद स्थित मदरसा इदारा महादुल कुरान वल उलूम अर्शियाऱ के छात्र-छात्रा हैं। इसकी पुष्टि मदरसा के प्रबंधक मौलाना फैसल ने की।

गरीब बच्चों की शिक्षा और परिवार के सहयोग का जिम्मा भी उठा रहा मदरसा

मदरसा इदारा महादुल कुरान वल उलूम अर्शिया के उप प्रबंधक मौलाना अम्मार ने बताया कि अहमद का परिवार आर्थिक रूप से बेहद कमजोर है। बच्चे की फीस, कॉपी-किताब सहित अन्य शैक्षणिक सामग्री पहले से ही मदरसे द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। इतना ही नहीं, परिवार की आर्थिक मदद के लिए बच्चे की मां को भी मदरसे में रोजगार उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने बताया कि मदरसे में दीनी तालीम के साथ-साथ हिंदी, उर्दू, अंग्रेजी और सामान्य शिक्षा भी दी जाती है, ताकि बच्चे धार्मिक शिक्षा के साथ आधुनिक शिक्षा से भी जुड़ सकें। आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों से किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने स्कूल चलो रैली के दौरान पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शिक्षा प्राप्त करना प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है। हम सभी का दायित्व है कि कोई भी बच्चा विद्यालय में नामांकन से वंचित न रहे। यह बातें बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर ने गुरुवार को सिरकोनी क्षेत्र के पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय नाथूपुर में आयोजित स्कूल चलो अभियान रैली एवं पौधरोपण कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में कहीं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए प्रधानाध्यापक एवं प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अरविंद शुक्ला सहित समस्त शिक्षकों के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा परिषदीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे अभिभावकों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अधिक से अधिक बच्चों का विद्यालयों में नामांकन कराने की अपील की।

विशिष्ट अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी अमरेश कुमार सिंह ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे का नियमित रूप से विद्यालय पहुंचना आवश्यक है। इसके लिए अभिभावकों की जागरूकता और सहयोग बेहद जरूरी है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख बंशराज सिंह ने की। उन्होंने विद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम के अंतर्गत ऊएक पेड़ मां के नामऊ अभियान के तहत अतिथियों ने विद्यालय परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि एवं समाजसेवी आशुतोष सिंह, शिक्षक संघ के उपाध्यक्ष लाल साहब यादव, रविचंद्र यादव, वीरेंद्र प्रताप सिंह, शिवेंद्र सिंह रानू, लक्ष्मीकांत सिंह, डॉ. भारती सिंह, राम मिलन, रेनू सिंह, अनिल मौर्य, श्वेता पाल, ऋतु गौड़, आकांक्षा मौर्य, शालू निषाद, खुशबू मौर्य, शक्ति सिंह, अभिषेक सिंह सहित अनेक शिक्षक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक अरविंद शुक्ला ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

एमडी ड्रग्स आरोपी नाना पटवारी के साथियों से हुई पूछताछ

प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। एमडी ड्रग्स के मामले में आरोपी नाना पटवारी और उसके साथी सुमित मंत्री से बुधवार देर रात तक राजेंद्र नगर थाना पुलिस ने पूछताछ की। इस दौरान पता चला कि नाना के साथी ऑनलाइन बेटिंग वेबसाइट ऑल पैनल पर क्रिकेट सट्टे के कमीशन एजेंट थे। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें प्रत्येक लेनदेन पर कमीशन मिलता था।जांच के दौरान मिला साक्ष्या के आधार पर पुलिस ने नाना पटवारी के चार साथियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। फिलहाल इस प्रकरण में नाना पटवारी का नाम आरोपी के रूप में शामिल नहीं किया गया है। पुलिस के अनुसार जांच में संजय कौशल, मनीष जादौन, दिनेश उर्फ लल्ला चौहान, प्रीतेश त्रिपाठी सहित अन्य लोगों की भूमिका सामने आई है। इन पर ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे का नेटवर्क संचालित करने और बेटिंग आईडी उपलब्ध कराने का आरोप है।

जांच में सामने आया कि कृष्णा नगर निवासी संजय कौशल ऑनलाइन बेटिंग वेबसाइट ऑल पैनल पर क्रिकेट सट्टे का कमीशन एजेंट था। प्रत्येक लेन देन पर उसे 20 से 100 रुपए तक कमीशन मिलता था।पूछताछ में संजय ने पुलिस को बताया कि सच्चिदानंद नगर (महू नाका) निवासी मनीष पमनानी उसे ऑलपैन एक्स और ग्रेडटेक्स डॉट कॉम की बेटिंग लिंक उपलब्ध कराता था। ये लिंक वॉट्सऐप के जरिए भेजी जाती थीं, जिन पर 5 हजार रुपए या उससे अधिक बैलेंस वाली बेटिंग आईडी मिल जाती थी।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने मुख्यमंत्री से की शुभेच्छा भेंट

इंदौर (उत्तरशक्ति)। भोपाल में माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी से इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से आत्मीय भेंट कर इंदौर के विकास से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की ।

इस दौरान डिजिटल इंदौर की परिकल्पना को गति देने, वर्षा जल संचयन एवं वॉटर रिचार्जिंग के क्षेत्र में इंदौर को देश का अग्रणी शहर बनाने तथा इंदौर जिला अस्पताल के होने वाले लोकार्पण सहित स्वास्थ्य अधोसंरचना को और सशक्त बनाने जैसे विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन एवं सहयोग से इंदौर को नवाचार, बेहतर नागरिक सुविधाओं और सतत विकास के नए आयामों तक पहुँचाने और इंदौर को स्वच्छ और सुन्दर बनाने का संकल्प लिया। यह संकल्प निरंतर आगे बढ़ता रहे रहेगा ।

जौनपुर में निकला 86वां ऐतिहासिक अलम-ए-नौचंदी व जुलूस-ए-अमारी, उमड़ा आस्था का सैलाब

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर की गंगा-जमुनी तहजीब और धार्मिक सौहार्द की मिसाल पेश करते हुए गुरुवार को 86वें ऐतिहासिक अलम-ए-नौचंदी व जुलूस-ए-अमारी का आयोजन पूरे अकीदत और अनुशासन के साथ संपन्न हुआ। बाजार भुआ स्थित स्व. मीर बहादुर अली दालान इमामबाड़ा से निकले इस पारंपरिक जुलूस में हजारों अकीदतमंद शामिल हुए। शिया समुदाय के साथ अन्य धर्मों के लोगों की मौजूदगी ने आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश दिया।

जुलूस से पूर्व आयोजित मजलिस को विश्वविख्यात शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे रुशैद रिजवी ने संबोधित किया। उन्होंने करबला के संदेश और हजरत अब्बास (अ.स.) की शहादत पर प्रकाश डालते हुए इंसानियत, सब्र और कुबार्नी का संदेश दिया। मसायब पढ़े जाने के दौरान पूरा इमामबाड़ा गमगीन माहौल में डूब गया और अकीदतमंदों की आंखें नम हो गईं।

अलम नौचंदी कमेटी के अध्यक्ष सैयद अलमदार हुसैन रिजवी ने बताया कि इस जुलूस की शुरूआत लगभग 86 वर्ष पहले प्लेग महामारी के दौरान लोगों की सलामती की दुआ के साथ हुई थी। समय के साथ यह परंपरा शहर की ऐतिहासिक धार्मिक विरासत का हिस्सा बन गई और आज भी बड़ी संख्या में लोग अपनी अकीदत और मन्नतों के साथ इसमें शामिल होते हैं।

मजलिस से पूर्व गौहर अली जैदी, एडवोकेट एहतेशाम अब्बास एवं उनके साथियों ने सोजखानी की, जबकि कई शायरों ने अपने कलाम पेश किए। मगरिब की नमाज के बाद मौलाना सफदर हुसैन जैदी ने तकरीर की तथा सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य मोहम्मद हसन ने भी अपने विचार रखे। इसके बाद अलम, दुलदुल की शबीह, अमारियां और झूला-ए-अली असगर के साथ जुलूस निर्धारित मार्ग से रवाना हुआ। शहर की 20 से अधिक अंजुमनों ने नौहा और मातम करते हुए जुलूस में शिरकत की। मीर घर पर डॉ. कमर अब्बास की तकरीर के बाद अलम और ताबूत-ए-सकीना का मिलन कराया गया। जुलूस पांचों शिवाला मंदिर रोड, मोहल्ला गाजी, नसीर खां और छतरीघाट होते हुए सदर इमामबाड़ा पहुंचा, जहां बेलाल हसनैन की अंतिम तकरीर और अलविदाई मातम के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम के अंत में अलम नौचंदी जुलूस-ए-अमारी कमेटी के सचिव शहंशाह हुसैन रिजवी ने पुलिस प्रशासन, नगर पालिका, विभिन्न विभागों तथा सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर दिलदार हुसैन रिजवी, सरदार हुसैन रिजवी, आलम अब्बास सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विजय सेल्स का ओपन बॉक्स क्लीयरेंस सेल शुरू

मुंबई। भारत की प्रमुख कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन, विजय सेल्स की बहुप्रतीक्षित ओपन बॉक्स क्लीयरेंस सेल शुरू हो गई है। यह सेल ग्राहकों को बेहद आकर्षक कीमतों पर प्रीमियम इलेक्ट्रॉनिक्स, होम अप्लायंसेज, एंटरटेनमेंट प्रोडक्ट्स और स्मार्ट गैजेट्स अपने घर लाने का एक शानदार अवसर दे रही है। विजय सेल्स के सभी रिटेल स्टोर्स पर लाइव हो चुकी इस सालाना सेल में, कई श्रेणियों के दिग्गज ब्रांड्स के डिस्प्ले यूनिट्स और लास्ट-पीस प्रोडक्ट्स पर आकर्षक ऑफर्स दिए जा रहे हैं। यह सेल 6 जुलाई 2026 को शुरू हुई थी और यह एक सीमित अवधि के लिए उपलब्ध है, जिससे ग्राहकों को भारी बचत के साथ अपने घरों को नई-नई तकनीकों से अपग्रेड करने का मौका मिलेगा।

इस घोषणा के बारे में, विजय सेल्स के डायरेक्टर, नीलेश गुप्ता ने कहा, हमारी ओपन बॉक्स क्लीयरेंस सेल साल के सबसे प्रतीक्षित शॉपिंग इवेंट्स में से एक बन गई है, जो ग्राहकों को प्रीमियम टेक्नोलॉजी और होम अप्लायंसेज पर जबर्दस्?त फायदा देती है। हर साल, हम विजय सेल्स की विश्वसनीयता, गुणवत्ता और बेहतर ग्राहक अनुभव को बनाए रखते हुए विभिन्न श्रेणियों में रोमांचक ऑफर्स पेश करते हैं। चाहे ग्राहक अपने घर को अपग्रेड कर रहे हों, रोजमर्रा की जरूरी चीजों को बदल रहे हों या फिर लेटेस्ट गैजेट्स खरीद रहे हों, यह सेल सबसे बड़े ब्रांड्स को बेहद आकर्षक कीमतों पर एक साथ लेकर आती है। रेफ्रिजरेटर्स की बात करें तो चुनिंदा मॉडलों पर 50% तक की छूट उपलब्ध है, जिसमें 240-लीटर फ्रॉस्ट-फ्री रेफ्रिजरेटर मात्र 20,990 रुपये में खरीदा जा सकता है। वहीं, बड़े परिवारों के लिए प्रीमियम साइड-बाय-साइड रेफ्रिजरेटर की शुरूआती कीमत मात्र 49,990 रुपये रखी गई है।

देवेंद्र फडणवीस किसानों के सुख-दुख में उनके साथ खड़े रहने वाले एकमात्र नेतृत्व हैं : रविंद्र चव्हाण

डोंबिवली/नवी मुंबई। 'मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ऐसा नेतृत्व हैं, जो किसानों सहित समाज के हर वर्ग के सुख-दुख में हमेशा साथ खड़ा रहता है। उन्होंने कहा कि फडणवीस केवल योजनाएँ बनाने तक सीमित नहीं रहते, बल्कि गांव-गांव जाकर किसानों की समस्याओं को समझते हैं और उनके समाधान के लिए ठोस निर्णय लेते हैं। यही वजह है कि प्रदेश का किसान समाज पूरी मजबूती के साथ देवाभाऊ सरकार के पीछे खड़ा है', ऐसा वक्तव्य भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने बुधवार को किया।

फसल ऋणमुक्ति के निर्णय पर राज्यभर के किसानों की ओर से भाजपा किसान मोर्चा द्वारा मुंबई के यशवंतराव चव्हाण सेंटर में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का भव्य सम्मान किया गया। इस अवसर पर रविंद्र चव्हाण ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सरकार द्वारा किसानों के हित में लिए गए अनेक महत्वपूर्ण निर्णयों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि खेत एवं पानंद (ग्रामीण संपर्क) सड़कों का निर्माण, जलयुक्त शिवार अभियान, खेती में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और आधुनिक तकनीक का उपयोग, तथा कृषि पंपों को दिन के समय निःशुल्क बिजली उपलब्ध कराने जैसी योजनाओं ने किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया है। सरकार की किसान हितैषी नीतियों का लाभ अब गांव-गांव तक पहुँच रहा है। इस कार्यक्रम के दौरान भाजपा प्रदेश महासचिव एवं विधायक संजय कुटे ने राज्य के समस्त किसानों की ओर से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के अभिनंदन का प्रस्ताव रखा। उपस्थित किसानों ने हाथ उठाकर उसका समर्थन किया और देवाभाऊ के जयघोष से पूरा सभागार गूंज उठा। सम्मान को स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने संबोधन में कहा कि वह इस कार्यक्रम को केवल सम्मान समारोह नहीं, बल्कि किसानों से सीधे संवाद का अवसर मानते हैं। उन्होंने कहा, हमने कर्जमुक्ति का निर्णय किसी चुनाव को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि किसानों के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लिया है। किसानों का हित हमारे लिए राजनीति का विषय नहीं, बल्कि हमारी जिम्मेदारी है। कई लोगों को लगता था कि सरकार कर्जमाफी नहीं करेगी और आंदोलन करने पड़ेंगे, लेकिन यह महायुति की सरकार है, किसानों की देवाभाऊ सरकार है।

गोयनका परिवार ने 'ईडीआईआई-अहमदाबाद' के साथ समझौता किया

मुंबई। एस्सेल ग्रुप के चेयरमैन डॉ.सुभाष चंद्रा और उनके भाइयों लक्ष्मी नारायण गोयल, जवाहर गोयल एवं अशोक गोयल ने अपने स्वर्गीय पिता नंद किशोर गोयनका जी की विरासत को एक स्थायी सम्मान देने के लिए अग्रोहा, हिसार में 'नंद किशोर गोयनका यूनिवर्सिटी' की स्थापना करने की घोषणा की है। स्वर्गीय श्री नंद किशोर गोयनका जी का 13 जुलाई 2026 को 96 वर्ष की आयु में मुंबई में निधन हुआ। वे अपनी विनम्रता, उदारता और जनकल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के लिए व्यापक रूप से सम्मानित थे। समाज में अपने योगदान के माध्यम से उन्होंने सेवा और करुणा के मूल्यों को बढ़ावा दिया, और अपने परोपकारी कार्यों व मार्गदर्शन से अनगिनत जीवनों को प्रभावित किया। यह शैक्षणिक संस्थान गोयनका परिवार की अपनी 32 एकड़ जमीन पर बनाया जाएगा, जिसमें करीब 100 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। सामाजिक सेवा और जनकल्याण पर केंद्रित इस विश्वविद्यालय को एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (उत्कृष्टता केंद्र) के रूप में तैयार किया गया है, जो स्वर्गीय श्री नंद किशोर गोयनका जी के सामाजिक कार्यों के प्रति आजीवन जुड़ाव को आगे बढ़ाएगा। यह विश्वविद्यालय 'सामाजिक सेवा' और 'समाज को वापस लौटाने' पर आधारित एक विशेष और अनोखा पाठ्यक्रम शुरू करेगा। इस विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए गोयनका परिवार ने एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई), अहमदाबाद के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी गोयनका परिवार को एक हार्दिक पत्र लिखा,प्रधानमंत्री ने लिखा है,उन्होंने न केवल व्यावसायिक परंपराओं को समृद्ध किया, बल्कि समाज के प्रति अपने दायित्वों का भी पूरी निष्ठा से निर्वहन किया।

गुजरात इंजेक्ट लिमिटेड का पहली तिमाही में शानदार प्रदर्शन

मुंबई। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में तेजी से अपनी पहचान बना रही गुजरात इंजेक्ट (केरल) लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में शानदार वित्तीय परिणाम दर्ज किए हैं। कंपनी का परिचालन राजस्व पांच गुना से अधिक बढ़ा है, जबकि शुद्ध लाभ में 1,600 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। कंपनी का कहना है कि यह प्रदर्शन उसके स्वच्छ ऊर्जा कारोबार की दिशा में किए गए रणनीतिक बदलाव का सकारात्मक परिणाम है। मंगलवार को आयोजित निदेशक मंडल की बैठक में 30 जून 2026 को समाप्त तिमाही के स्टैंडअलोन अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही कंपनी का नाम बदलकर रेजेनोवा रिन्यूटेक लिमिटेड करने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी गई, जो कंपनी की नई कारोबारी दिशा को दशार्ता है। अप्रैल से जून 2026 की अवधि में कंपनी का परिचालन राजस्व बढ़कर रुपये 12.45 करोड़ पहुंच गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह रुपये 2.42 करोड़ था। इस प्रकार कंपनी ने साल-दर-साल 414 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। इसी अवधि में कंपनी का कर पश्चात लाभ बढ़कर रुपये 1.25 करोड़ हो गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह केवल रुपये 7.35 लाख था। यानी कंपनी ने शुद्ध लाभ में लगभग 1,600 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। प्रति शेयर आय भी रुपये 0.05 से बढ़कर रुपये 0.86 हो गई। हालांकि जनवरी-मार्च तिमाही की तुलना में इस बार राजस्व में कुछ नरमी रही, क्योंकि पिछली तिमाही में बड़े ऑर्डर्स का निष्पादन हुआ था। इसके बावजूद कंपनी ने मजबूत लाभप्रदता बनाए रखी। उल्लेखनीय है कि पहली तिमाही का कर पश्चात लाभ अकेले ही पूरे ऋ2025-26 के कुल स्टैंडअलोन लाभ का लगभग 69 प्रतिशत है, जो बेहतर परिचालन दक्षता और नए कारोबार में मजबूत मार्जिन का संकेत देता है। कंपनी ने नेतृत्व स्तर पर भी महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की है। निदेशक मंडल ने मुरली शिवशंकरन नायर को तीन वर्षों के लिए कंपनी का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। उन्होंने 6 जुलाई 2026 से कार्यभार संभाल लिया है। विनिर्माण, प्रशासन और कॉर्पोरेट विकास के क्षेत्र में उनका लंबा अनुभव कंपनी के स्वच्छ ऊर्जा कारोबार के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

नाबार्ड, महाराष्ट्र ने पुणे में 45वाँ स्थापना दिवस मनाया, महिला किसानों को किया सम्मानित

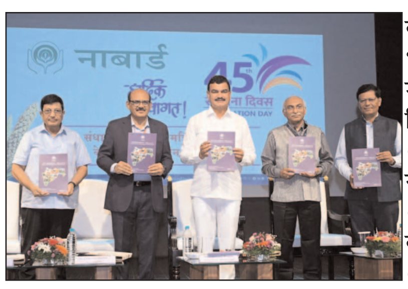

मुंबई। नाबार्ड ने 16 जुलाई 2026 को पुणे इंटरनेशनल सेंटर में अपना 45वाँ स्थापना दिवस मनाया तथा इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष-2026 के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में समावेशी, संधारणीय एवं जलवायु-अनुकूल ग्रामीण विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की. महाराष्ट्र के कृषि मंत्री माननीय श्री दत्तात्रय विठोबा भरणे ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। इस अवसर पर राज्य भर की महिला किसानों, महिला-नेतृत्व वाले किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) तथा ग्रामीण उद्यमियों को ग्रामीण परिवर्तन में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में कृषि बैंकिंग महाविद्यालय (सीएबी), पुणे के मुख्य महाप्रबंधक एवं प्रधानाचार्य जयकिश, महाराष्ट्र राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) के महाप्रबंधक एवं संयोजक श्री विवेक नचाने, बैफ के अध्यक्ष डॉ. भरत काकड़े तथा महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक (एमएसटीसीबी) के प्रशासक विद्याधर अनास्कर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम की मेजबानी नाबार्ड, महाराष्ट्र क्षेत्रीय कार्यालय के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. ए. वी. भवानी शंकर ने की. “Empowering Rural Maharashtra: NABARD 2025-26” नामक पुस्तिका का विमोचन किया गया तथा चंद्रपुर जिले में महिलाओं द्वारा संचालित नाबार्ड समर्थित घरेलू मुर्गीपालन आजीविका परियोजना पर आधारित एक वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया.

मुख्य अतिथि ने राज्य सरकार के किसान-कल्याण उन्मुख प्रयासों पर प्रकाश डाला, भरणे ने महाराष्ट्र के किसानों तथा सहकारी क्षेत्र के साथ नाबार्ड की 45 वर्षों की साझेदारी की प्रशंसा करते हुए महिलाओं को ह्लकृषि क्षेत्र की रीढ़ह्व बताया।

पीयू के पुस्तकालय प्रशिक्षुओं को मिला सम्मान, आत्मविश्वास और ज्ञान की नई उड़ान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में शुक्रवार को शैक्षणिक सत्र 2025-26 के 20 पुस्तकालय प्रशिक्षुओं के लिए आयोजित प्रमाण-पत्र वितरण समारोह भावनात्मक और प्रेरणादायक वातावरण में संपन्न हुआ। एक वर्ष तक पुस्तकालय की आधुनिक कार्यप्रणाली को सीखने और समझने वाले प्रशिक्षुओं के लिए यह अवसर उनके परिश्रम, समर्पण और सीखने की यात्रा का यादगार पड़ाव बन गया। यह एक वर्षीय प्रोफेशनल पुस्तकालय अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय एवं नेशनल अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग स्कीम (NATS) के मध्य हुए समझौते के अंतर्गत संचालित किया जाता है। समारोह के दौरान प्रशिक्षुओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस प्रशिक्षण ने न केवल उनके तकनीकी ज्ञान में वृद्धि की, बल्कि उनमें आत्मविश्वास, कार्यकुशलता और भविष्य के प्रति नई ऊर्जा का संचार भी किया। प्रशिक्षुओं ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान उन्हें ई-बुक्स, एनसाइक्लोपीडिया, ई-जर्नल्स, कैटलॉगिंग, ओएसआईएस (OSIS), SOUL सॉफ्टवेयर पर पुस्तकों की अपलोडिंग, 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ONOS)' पोर्टल के माध्यम से शोध-पत्र डाउनलोड करने सहित आधुनिक डिजिटल पुस्तकालय प्रबंधन की अनेक महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ। उनका कहना था कि यह अनुभव उनके व्यावसायिक जीवन की मजबूत नींव साबित होगा और भविष्य में उन्हें नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में सहायक बनेगा। इस अवसर पर पुस्तकालय अध्यक्ष प्रो. राज कुमार ने प्रशिक्षुओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि पुस्तकालय केवल पुस्तकों का संग्रह नहीं, बल्कि ज्ञान, शोध और नवाचार का केंद्र होता है। यहाँ प्राप्त प्रशिक्षण विद्यार्थियों को आजीवन सीखने की संस्कृति से जोड़ता है और उन्हें उत्कृष्ट पेशेवर बनने की दिशा में प्रेरित करता है। कार्यक्रम में डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. प्रशांत कुमार यादव तथा पुस्तकालय प्रभारी डॉ. इंद्रेश गंगवार भी उपस्थित रहे और प्रशिक्षुओं को उनके सफल प्रशिक्षण पूर्ण होने पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर यह भी जानकारी दी गई कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए चयनित 18 नए पुस्तकालय प्रशिक्षुओं ने अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है, जिनमें 7 पुरुष एवं 11 महिला प्रशिक्षु शामिल हैं। यह नई टीम ज्ञान, अनुशासन और आधुनिक पुस्तकालय सेवाओं की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए उत्साह के साथ अपनी नई यात्रा प्रारंभ कर चुकी है।

सैमसंग ने वर्ल्ड यूथ स्किल्स डे पर सैमसंग दोस्त स्किलिंग प्रोग्राम के 30 टॉपर्स को किया सम्मानित

पटना। वर्ल्ड यूथ स्किल्स डे के अवसर पर सैमसंग इंडिया ने अपने प्रमुख सीएसआर स्किलिंग प्रोग्राम सैमसंग दोस्त के तहत वर्ष 2025 में प्रशिक्षित 9,400 से अधिक युवाओं में से चुने गए 30 उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दोस्त सेल्स टॉपर्स को सम्मानित किया। सैमसंग दोस्त युवाओं को ऑर्गनाइज्ड रिटेल में करियर के लिए तैयार करने वाला स्किलिंग प्रोग्राम है। इसके तहत प्रतिभागियों को डिजिटल लर्निंग, रिटेल स्टोर पर प्रैक्टिकल ट्रेनिंग और सरकार से मान्यता प्राप्त सर्टिफिकेट प्रदान किए जाते हैं, जिससे उनकी रोजगार क्षमता और करियर की तैयारी मजबूत होती है। गुरुग्राम स्थित सैमसंग इंडिया के मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में 30 टॉपर्स को सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस, एक सैमसंग स्मार्टवॉच, गैलेक्सी बड्स तथा 30,000 रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। इन प्रतिभागियों को इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर स्किल्स काउंसिल ऑफ इंडिया और टेलीकॉम सेक्टर स्किल काउंसिल द्वारा प्रशिक्षण एवं प्रमाणन दिया गया। इस अवसर पर सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट एवं सीईओ जेबी पार्क ने कहा कि उद्योग आधारित स्किलिंग युवाओं को आत्मविश्वास, व्यावहारिक अनुभव और संगठित रिटेल क्षेत्र में सफल करियर के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

कमिश्नर की सुरक्षा ड्यूटी से लौट रहे आरक्षी की सड़क हादसे में मौत

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। कमिश्नर की सुरक्षा ड्यूटी पूरी कर पुलिस लाइन लौट रहे उत्तर प्रदेश पुलिस के आरक्षी बलवंत सिंह यादव की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। बुधवार देर रात हुए हादसे के बाद पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस के अनुसार, 15 जुलाई 2026 की रात करीब 11 बजे सिधारी थाना क्षेत्र के बेलईसा पुल के पास आजमगढ़-वाराणसी मार्ग पर अनुबंधित बस की टक्कर से आरक्षी बलवंत सिंह यादव की मौके पर ही मौत हो गई। वह कमिश्नर की सुरक्षा शाखा में तैनात थे और ड्यूटी समाप्त कर पुलिस लाइन वापस लौट रहे थे। दिवंगत आरक्षी बलवंत सिंह यादव चंदौली जिले के धीना थाना क्षेत्र के करजरा गांव के निवासी थे। उनका जन्म 7 मार्च 1997 को हुआ था। उन्होंने 17 दिसंबर 2022 को उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस के पद पर भर्ती होकर पुलिस सेवा शुरू की थी। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों ने घटना की जानकारी परिजनों को दी और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। गुरुवार को पुलिस लाइन आजमगढ़ में दिवंगत आरक्षी को पूरे राजकीय सम्मान एवं गार्ड ऑफ ऑनर के साथ भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक नगर मधुवन कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण चिराग जैन, क्षेत्राधिकारी नगर शुभम तोदी, क्षेत्राधिकारी सदर आस्था जायसवाल सहित पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दिवंगत जवान की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। कर्तव्य के प्रति समर्पित आरक्षी बलवंत सिंह यादव को उत्तर प्रदेश पुलिस ने नम आंखों से अंतिम विदाई दी।

पीएनबी ने बहुभाषी एआई बैंकिंग के लिए डिजिटल इंडिया भाषिणी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

मुंबई। भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र में बैंक पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने द्वारका, नई दिल्ली स्थित अपने कॉर्पोरेट कार्यालय में डिजिटल इंडिया भाषिणी प्रभाग (डीआईबीडी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। पीएनबी के कार्यपालक निदेशक एम. परमसिवम, अमिताभ नाग, सीईओ, डिजिटल इंडिया भाषिणी प्रभाग (डीआईबीडी), और आतिश कुमार राउत, मुख्य महाप्रबंधक (डी) डिजिटल बैंकिंग ट्रांसफॉर्मेशन प्रभाग(डीबीटीडी), पीएनबी की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन को औपचारिक रूप दिया गया। इस साझेदारी के माध्यम से, भाषिणी की उन्नत बहुभाषी एआई क्षमताओं को पीएनबी के डिजिटल प्लेटफॉर्मों के साथ एकीकृत किया जाएगा। यह ग्राहकों को आवाज और पाठ दोनों के माध्यम से कई भारतीय भाषाओं में निर्बाध रूप से बैंकिंग सेवाएं प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा। इस अवसर पर पीएनबी के कार्यपालक निदेशक एम. परमसिवम ने कहाः भाषिणी और पीएनबी के बीच यह सहयोग दिखाता है कि कैसे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर अलग-अलग क्षेत्रों में समावेशी डिजिटल परिवर्तन को तेज कर सकता है। बहुभाषी एआई को सार्वजनिक सेवा संवितरण के साथ जोड़कर, यह पहल भाषा की बाधाओं को दूर करने और यह सुनिश्चित करने में मदद करेगी कि डिजिटल बैंकिंग सेवाएँ देश भर के लोगों के लिए अधिक सुलभ, समान और नागरिक-अनुकूल हो। डिजिटल इंडिया भाषिणी प्रभाग (डीआईबीडी) के सीईओ, अमिताभ नाग ने कहाः आवश्यक बैंकिंग सेवाओं के लिए भाषा कभी भी बाधा नहीं बननी चाहिए। पीएनबी के साथ हमारी साझेदारी भाषिणी के 'वॉइस-फर्स्ट', बहुभाषी बैंकिंग प्रणाली के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाती है। एआई-आधारित भाषा टेक्नोलॉजी को शामिल करके, हम ऐसा समावेशी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बना रहे हैं जो नागरिकों को उनकी पसंदीदा भारतीय भाषा में आसानी से वित्तीय सेवाओं का लाभ उठाने में मदद करता है, जिससे डिजिटल बैंकिंग अधिक सहज, समावेशी और नागरिक-केंद्रित बनती है। पीएनबी के डीबीटीडी के मुख्य महाप्रबन्धक (डी), अतिश कुमार राउत ने कहाः पीएनबी सुगम, सुरक्षित और ग्राहक-केंद्रित डिजिटल बैंकिंग सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। डिजिटल इंडिया भाषिणी प्रभाग के साथ हमारी साझेदारी हमें अत्याधुनिक बहुभाषी एआई (अक) तकनीकों का लाभ उठाने में सक्षम बनाएगा, जिससे हमारे डिजिटल प्लेटफॉर्म अधिक समावेशी बनेंगे और विभिन्न भाषाई पृष्ठभूमि के ग्राहकों के लिए इनका उपयोग करना अधिक आसान हो जाएगा।

फंड्सइंडिया ने भारत में निवेश के बदलते माहौल के बीच सही सलाह की अहमियत पर जोर देते हुए 'सही गाइडेंस सही बैलेंस' कैंपेन की शुरूआत की

मुंबई। भारत में निवेश का माहौल धीरे-धीरे लगातार बेहतर हो रहा है, जिसे देखते हुए निवेश को लोगों के लिए सुलभ बनाने के साथ-साथ इस बारे में सबसे बेहतर सलाह उपलब्ध कराना भी बहुत जरूरी हो गया है। कंपनी ने इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए आज 'सही गाइडेंस. सही बैलेंस.' नाम से एक संवाद कार्यक्रम और कैंपेन की शुरूआत की है, जो बताता है कि संतुलित नतीजों के लिए सोच-समझकर पैसों से जुड़े फैसले लेना कितना जरूरी है। 'सही गाइडेंस, सही बैलेंस' कैंपेन असल में AMFI के संदेश -म्यूचुअल फंड्स सही है की सोच को ही आगे बढ़ाता है (यानी यह म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री के सबसे बड़े निकाय, AMFI के म्यूचुअल फंड्स सही है वाले विचार पर आधारित है)। फंड्सइंडिया में हमारा सबसे ज्यादा जोर इस बात पर है कि लोगों को निवेश करने की सुविधा देने के साथ-साथ सही सलाह भी उतनी ही आसानी से मिले, ताकि ज्यादा से ज्यादा निवेशक पूंजी बाजार का पूरा फायदा उठा सकें। इस इंटीग्रेटेड ब्रांड कैंपेन को इस तरह तैयार किया गया है, ताकि लोगों के बीच लंबे समय के लिए पैसा जोड़ने में सही वित्तीय सलाह की अहमियत के बारे में चर्चा शुरू हो सके। असली निवेशकों के बर्ताव पर आधारित एक सामाजिक प्रयोग के जरिये, यह कैंपेन दिखाता है कि कैसे आम गलतफहमियाँ, भावनाओं में बहकर पैसा लगाना और जरूरत से ज्यादा जानकारी मिलना हमारे वित्तीय फैसलों पर असर डालते हैं। इसके साथ ही, यह नियमित रूप से निवेश करने, लक्ष्यों को तय करके योजना बनाने और आर्थिक मामलों में भरोसेमंद सलाह की अहमियत पर भी जोर देता है। इस कैंपेन की शुरूआत के बारे में बात करते हुए फंड्सइंडिया के ग्रुप सीईओ, अक्षय सप्रू ने कहा, पिछले दस सालों में भारत में निवेश का माहौल बहुत बदल गया है। अब लोग पहले से ज्यादा जागरूक हैं, उनके लिए निवेश करना आसान हुआ है और आम निवेशकों की भागीदारी भी लगातार बढ़ रही है। धीरे-धीरे ये माहौल और बेहतर हो रहा है।

गृह मंत्री ने रखा अगले 3 वर्षों में ड्रग्स के पूरे इकोसिस्टम को खत्म करने का रोडमैप

मुंबई। देश की आंतरिक सुरक्षा से जुड़े जटिल और चुनौतीपूर्ण मुद्दों पर निर्णायक नेतृत्व की बात हो, तो केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का नाम प्रमुखता से सामने आता है। स्पष्ट रणनीति, समयबद्ध कार्ययोजना और परिणामोन्मुखी कार्यशैली उनकी पहचान बन चुकी है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कई बड़े अभियानों को निर्णायक मोड़ तक पहुंचाने के बाद अब उनका अगला लक्ष्य भारत को ड्रग्स और नार्को-टेरर के पूरे इकोसिस्टम से मुक्त करना है। इसी उद्देश्य से उन्होंने अगले तीन वर्षों के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार किया है, जिसका मकसद केवल नशीली दवाओं की जब्ती बढ़ाना नहीं, बल्कि उत्पादन से लेकर तस्करी, वित्तपोषण और वितरण तक फैले पूरे नेटवर्क को जड़ से ध्वस्त करना है। इसी दृष्टि के साथ नई दिल्ली में नार्को-कोऑर्डिनेशन सेंटर की 10वीं शीर्ष स्तरीय बैठक आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की। इस अवसर पर 'नशीली दवाओं पर नियंत्रण संबंधी विजन दस्तावेज (2026-2029)' जारी किया गया, एनसीबी की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई और 6,000 करोड़ रुपये मूल्य की 2,09,500 किलोग्राम नशीली दवाओं के विनाश के लिए ऑनलाइन ड्रग्स डिस्पोजल पखवाड़ा अभियान की शुरूआत की गई। यह बैठक महज एक औपचारिक सरकारी कार्यक्रम नहीं थी, बल्कि 'नशा मुक्त भारत' के लक्ष्य को समयबद्ध रणनीति और ठोस कार्ययोजना के साथ आगे बढ़ाने की दिशा में एक निर्णायक पहल साबित हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नशा मुक्त भारत' के संकल्प को साकार करने की दिशा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक स्पष्ट, समयबद्ध और बहुस्तरीय रणनीति तैयार की है। इस रणनीति का मूल मंत्र है– 'डिटेक्ट, डिसरप्ट और डिस्ट्रॉय'। यानी सबसे पहले ड्रग्स नेटवर्क की सटीक पहचान, फिर उसकी सप्लाई चेन, वित्तीय स्रोतों और संचालन तंत्र को पूरी तरह बाधित करना, और अंततः पूरे इकोसिस्टम को इस तरह ध्वस्त करना कि उसके दोबारा पनपने की कोई संभावना ही न बचे। यही दृष्टिकोण आने वाले तीन वर्षों के लिए राष्ट्रीय रोडमैप की आधारशिला रहेगा।

ज्यूडिशियल कर्मचारियों की चेतावनी: मांगें पूरी नहीं हुईं तो दिवाली नहीं मनाएंगे

नासिक। महाराष्ट्र स्टेट ज्यूडिशियल एम्प्लॉइज फेडरेशन ने राज्य सरकार और हाई कोर्ट प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि वर्षों से लंबित मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो राज्यभर के ज्यूडिशियल कर्मचारी इस वर्ष दिवाली नहीं मनाएंगे। साथ ही रिटायर्ड ज्यूडिशियल कर्मचारी भूख हड़ताल और चेन भूख हड़ताल करेंगे। नासिक में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में फेडरेशन के तत्कालीन अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि ज्यूडिशियल कर्मचारियों के वेतनमान, पदोन्नति, सेवा नियम और अन्य प्रशासनिक मांगें लंबे समय से लंबित हैं। उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी होने के बावजूद कर्मचारियों की समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा वर्ष 2009 में दिए गए निर्देशों के अनुरूप वेतन और सेवा सुविधाओं को प्रभावी ढंग से लागू किए जाने की अपेक्षा थी, लेकिन महाराष्ट्र में अब तक इसका पूर्ण लाभ कर्मचारियों को नहीं मिल पाया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में ज्यूडिशियल स्टाफ की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया। बताया गया कि न्यायालयों में केस रिकॉर्डिंग, दस्तावेजों का प्रबंधन, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम का संचालन तथा अंतिम आदेशों की प्रतियां तैयार करने जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां ज्यूडिशियल कर्मचारी निभाते हैं। हाल ही में एक चर्चित चाइल्ड एब्यूज मामले में मात्र 45 दिनों में सुनवाई पूरी होने पर न्यायालय ने ज्यूडिशियल स्टाफ के कार्य की सराहना भी की थी। फेडरेशन ने सरकार और हाई कोर्ट के समक्ष दस प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें समान वेतन एवं वित्तीय लाभ, नियमित पदोन्नति, कोर्ट मैनेजर पदों के सेवा नियम लागू करना, पेंशन योजना, सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का प्रभावी क्रियान्वयन, नया पद संरचना, रिक्त पदों की भर्ती, बढ़ते कार्यभार को कम करना तथा स्वतंत्र प्रशासनिक ट्रिब्यूनल की स्थापना जैसी मांगें शामिल हैं। फेडरेशन का कहना है कि इन मांगों को लेकर कई वर्षों से सरकार, हाई कोर्ट और संबंधित अधिकारियों से लगातार संवाद किया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। इसलिए कर्मचारियों के पास आंदोलन के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। फेडरेशन ने घोषणा की है कि यदि सरकार शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लेती, तो इस वर्ष पूरे महाराष्ट्र के ज्यूडिशियल कर्मचारी दिवाली नहीं मनाएंगे। इसके अलावा 5 नवंबर 2026 से नासिक जिला कलेक्ट्रेट के सामने आमरण अनशन शुरू किया जाएगा, जबकि राज्य के अन्य जिलों में रिटायर्ड ज्यूडिशियल कर्मचारी चेन भूख हड़ताल करेंगे। इस अवसर पर दिगंबर निकम ने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप कर ज्यूडिशियल कर्मचारियों की लंबित मांगों का समाधान करने और उन्हें न्याय दिलाने की मांग की।

काशी से गांवों के विकास का नया मंत्र, 'विकसित पंचायत' से बनेगा विकसित भारत

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र काशी से गुरुवार को ग्रामीण भारत के भविष्य का नया खाका खींचने का प्रयास हुआ। रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 'विकसित भारत जी राम जी अधिनियम-2025' के प्रथम पंच सम्मेलन में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार और झारखंड के हजारों पंचायत प्रतिनिधियों के बीच उप मुख्यमंत्री एवं ग्राम्य विकास मंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गांवों को विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि अब योजनाओं का उद्देश्य केवल मजदूरी देना नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर, आधुनिक और समृद्ध गांव तैयार करना है। उन्होंने कहा कि आने वाला समय भारत का है और उत्तर प्रदेश तथा पूरे उत्तर भारत का है। विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब गांव विकास के नए मॉडल बनेंगे। ग्राम पंचायतें केवल प्रशासनिक इकाई नहीं, बल्कि विकसित भारत की आधारशिला बनेंगी। केशव प्रसाद मौर्य ने पूर्ववर्ती व्यवस्था पर निशाना साधते हुए कहा कि पुरानी नरेगा योजना में केवल धन की बंदरबांट होती थी। कई स्थानों पर हर वर्ष एक ही गड्ढा खोदने जैसी शिकायतें सामने आती थीं। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत जी राम जी अधिनियम' के माध्यम से ग्राम पंचायतों में स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण, आधारभूत ढांचे का विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका को एकीकृत रूप से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था में पीएम गतिशक्ति जैसी योजनाओं के साथ समन्वय स्थापित कर कार्यों की पुनरावृत्ति (डुप्लीकेसी) रोकी जाएगी, जिससे सरकारी धन का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है। उनके अनुसार प्रधानमंत्री के प्रयासों से 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जितने पक्के मकान वर्तमान सरकार में बने, उतने पहले कभी नहीं बने। गरीबों को मुफ्त राशन, आयुष्मान भारत योजना के तहत उपचार और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं ने सामाजिक सुरक्षा को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। पंचायत प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए केशव मौर्य ने कहा कि ऐसा काम कीजिए कि अगली बार जनता आपके विकास कार्यों के आधार पर ही नेतृत्व सौंपे। पंचायतें गांवों का ऐसा विकास मॉडल तैयार करें, जिसे दूसरे जिले और राज्य भी अपनाना चाहें। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक मद में धनराशि छह प्रतिशत से बढ़ाकर नौ प्रतिशत की गई है। प्रदेश में महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए महिला उद्यमी क्रेडिट कार्ड योजना शुरू की जाएगी। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से गांवों में बड़े स्तर पर उत्पादन इकाइयां और रोजगार के अवसर विकसित किए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाएं गांवों में ही उपलब्ध हों ताकि लोगों को शहरों की ओर पलायन न करना पड़े। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से अगले 25 वर्षों का विकास रोडमैप तैयार करने का आह्वान करते हुए कहा कि विकसित पंचायत ही विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित भारत की पहचान बनेगी। उन्होंने कहा कि सरकार 'न खाऊंगा, न खाने दूंगा' की नीति पर पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। दकेशव मौर्य ने वाराणसी के लिए स्वीकृत लगभग 25 हजार करोड़ रुपये की एलिवेटेड सड़क परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए इसे काशी के विकास की ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि काशी, प्रयागराज, गोरखपुर, कानपुर सहित पूरे प्रदेश में तेजी से आधारभूत ढांचे का विस्तार हो रहा है। उन्होंने कानून-व्यवस्था, नक्सलवाद पर नियंत्रण तथा जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाने को भी सरकार की प्रमुख उपलब्धियों में गिनाया।